# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

नोटः-राम लक्ष्मण, जो ऋष्यमुख के रास्ते का नेतृत्व करते थे, ने चेट्टू पुट्टा को नोटिस करना शुरू कर दिया। यह वसंत ऋतु की शुरुआत है। सभी हरियाली एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। मधुमक्खियाँ और तितलियाँ हर जगह देखी जा सकती हैं। गायन, नृत्य और नृत्य भी होता है। सारे जंगल मज़ेदार हैं। हवा ठंडी है। सभी सड़कों को पक्का कर दिया गया है। राम ने चलना बंद कर दिया और उसके दिल को पकड़ लिया।

### 1556. राम ने क्या कहा?

जे. "सीता और मुझे यह वसंत, यह कोयल गीत, यह मायू नृत्य पसंद है। अगर मैं यहाँ रहता हूँ, तो सीता और मैं वर्षों तक रहेंगे। हमें स्वर्ग और नरक की आवश्यकता नहीं है। "सीता को याद करते ही राम फूट-फूट कर रो पड़े। उन्होंने कहा, "कोई सरकार नहीं है। भाग्यशाली है। मेरा विश्वास कीजिए, वह मेरे साथ आया था। एक गहरी सांस लेते हुए, वह धीरे-धीरे वहाँ से चली गई जहाँ मुझे दर्द हो रहा था और मेरे पैरों के पास चली गई। मैं अब इस तरह की चीज़ों के बिना नहीं रह सकता! मेरी वजह से नहीं। "राम ने कहा।

### 1557. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! मैं सीता के बिना अयोध्या नहीं आ सकता। इसलिए आप अकेले अयोध्या जाते हैं। मैं सीता के निधन के साथ इस जंगल में मर जाऊंगा। "वह दुखी हो गया।

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



**1558. जब लक्ष्मण ने राम की बातें सुनीं, तो उन्होंने क्या कहा?**

जे. "अन्ना! यह आप जैसे व्यक्ति के लिए नहीं है। इस तरह की बातें न करें। साहसी लोगों को ऐसा नहीं करना चाहिए। कृपया, बहादुर बनो! यह आपका साहस है। सीता मिलनी चाहिए। हारना मुश्किल नहीं है। यदि नहीं, तो हमें उस पर काम करने की आवश्यकता है। चलो करते हैं। अन्ना! उत्साह से अधिक शक्तिशाली कुछ भी नहीं है। मेरी बात सुनो! उत्साहित हो जाओ! दादी मिल जाएगी। इसका पता चल जाएगा। "उन्होंने कहा।

**1559. लक्ष्मण ने रावण के बारे में राम को क्या बताया?**

जे. अगर रावण, जिसने आपको इतना दुःख पहुँचाया है, स्वर्ग नहीं जाता है, अधोलोक में नहीं जाता है, खुद को नहीं छिपाता है, अपनी माँ के गर्भ में वापस नहीं जाता है, तो मैं उसे मार दूंगा। इस पीड़ा को छोड़ दें। "उन्होंने कहा।

नोटः राम और लक्ष्मण दोनों पहाड़ियों, गुफाओं और गुफाओं की खोज में दिन-रात घूमते थे। जब भी राम गिरते थे, लक्ष्मण उत्साह से उन्हें चेतावनी देते थे। दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए।

**1560 ऋष्यमुख पर्वत की चोटी से राम और लक्ष्मण को किसने देखा था?** जे. वनराराजू सुग्रीवा

**1561 में। सुग्रीव राम और लक्ष्मण से क्यों डरते थे?**

जे. सुग्रीव को डर था कि वे दोनों आदमी उसे मारने आए थे।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



1562. में। लक्ष्मण को देखकर सुग्रीव ने क्या किया?
जे. जब उसके पैर और हाथ कांपते हैं, तो वह भागता है और एक गुफा में प्रवेश करता है।

1563. में। किसने सुग्रीव को डरते देखा है? जे. हनुमान जी

1564 में। कौन हैं हनुमान? जे. मंत्रियों में से एक।

1565. लक्ष्मण को देखकर सुग्रीव ने क्या सोचा था?
जे. राम को देखकर सुग्रीव के साहस को शांति मिली। वह सोच रहा है कि क्या उसकी ताकत बड़ी है या उन लोगों की ताकत बड़ी है।

1566. में। सुग्रीव ने अपने मंत्रियों को बुलाया और उन्होंने उनसे क्या कहा?
जे. "यह तो देखो! वे लोग दो लिनन पहने हुए थे और धनुष और तीर लिए हुए थे, कुछ खोज रहे थे। मुझे लगता है कि उन्हें भेजा गया था। ये लोग जंगल में क्या करते हैं? निश्चय ही वे ही हैं जिन्होंने मुझे भेजा है। बेहतर होगा कि हम कहीं और जाएँ। "सुग्रीव ने कहा।
नोटः-सुग्रीव के वचन के अनुसार, सभी वानर दूसरी जगह चले गए। वे सभी एक चक्कर में बैठे थे और सुग्रीव उनके बीच बैठे थे।

1567 में। हनुमान जी ने क्या कहा?
जे. "क्या बात है साहब? आप परेशान क्यों हो रहे हैं? क्या आप यहाँ आए हैं? तुम नहीं आए? "उन्होंने कहा। सुग्रीव नहीं आया। "यह कहानी का अंत है। वह यहाँ मरने के लिए आ रहा है!

अमरनाथ अमर

इसलिए मत आना। अज्ञात से डरना नासमझी है। लेकिन राजा के लिए ऐसा करना उचित नहीं है। "हनुमान जी ने कहा।

1568. सुग्रीव का क्या जवाब था?

जे. 'हनी! तुम्हें पता है कि मुझे डर क्यों लग रहा है। राजा बहुत गुप्त होते हैं। चूँकि मैं वली का दुश्मन हूँ, और उसने मुझे राज्य से बाहर भेज दिया है, और वह इस पहाड़ पर नहीं आ सकता है, इसलिए वह मुझे मारने के लिए मुनि के बेटों के रूप में अपने जैसे दो मजबूत क्षत्रियों को भेजता है। यही कारण है कि वे पेड़ों को देख रहे हैं। उनके हाथों में तलवारें हैं, इसलिए मुझे डर लगता है। "उन्होंने कहा।

1569. में। क्या कहा हनुमान जी ने?

जे. हनुमान जी! बेहतर होगा कि हम पहले भेष बदलकर उनसे पूछताछ करें। "सुग्रीव ने कहा।

1570 में। हनुमान जी ने क्या कहा?

जे. "हम किसे भेजेंगे? "हनुमान जी ने पूछा।

1571. सुग्रीव ने लक्ष्मण के पास संदेशवाहक के रूप में किसे भेजा था? जे. हनुमान जी

1572. लक्ष्मण से मिलने के लिए हनुमान ने कौन सा रूप धारण किया था? जे. वे एक भिक्षु के रूप में कपड़े पहने हुए थे।

1573. हनुमान को सुग्रीव की क्या सलाह थी?

जे. "वे महान लोग हैं। पता लगाएँ क्यों! यदि आप मानते हैं

य अमर

कि वे धर्मी और अच्छे हैं, तो मेरे बारे में दो अच्छी बातें कहें। आओ और अधिक। "सुग्रीव ने कहा।

### 1574. लक्ष्मण को देखकर हनुमान ने क्या किया?

जे. वह राम के पास गया। तेजमूर्ति रामलक्ष्मण हैं। जैसे ही उसने उसे देखा, उसने हाथ जोड़कर सलाम किया। नमस्कार किया।

### 1575. हनुमान ने राम से क्या कहा?

जे. 1. "योद्धाओं! आप कौन हैं जब आप अपनी महिमा को देखते हैं, तो आप राजा और देवी को देखते हैं। वे जो कपड़े और जूते पहन रहे हैं, वे अद्भुत लगते हैं। तुम कौन हो वे इन जंगलों में क्यों रहते हैं? "उन्होंने जवाब में एक-दूसरे की ओर देखा। "नदियों के पानी में आपकी प्रतिभा झलकती है। जब आप अपने तीरों को देखते हैं, तो महान लोगों के दिल उदास हो जाते हैं। वे एक ही उम्र के हैं। सुंदर हैं। इनकी चौड़ी छाती और लंबी भुजाएँ होती हैं और ये किसी को भी मारने में सक्षम होती हैं। तुम उदास क्यों हो? "हनुमान जी ने पूछा। कोई जवाब नहीं। दोनों भाई खड़े एक-दूसरे को देख रहे थे।

2. "आपका धनु इंद्रधनुष की तरह लग रहा है। आपके पेड़ ऐसे लगते हैं जैसे वे सांपों से भरे हों। अगर आप अपनी तलवारों को सोने की सिल्लियों से देखते हैं, तो वे सांपों की तरह हैं। क्या तुम सूरज नहीं हो? "हनुमान जी ने पूछा। राम ने फिर भी मुँह नहीं खोला। "क्या बात कर रहे हो? क्या आप मेरे शब्दों से परेशान हैं? "हनुमान जी ने पूछा।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

### 1576. हनुमान ने लक्ष्मण से अपने बारे में क्या कहा?

"मेरी बात सुनो! मैं एक बंदर हूँ। मैं भगवान वायु के आशीर्वाद से पैदा हुआ था और मुझे हनुमान कहा जाता है। मैं, जो वांछित रूप धारण कर सकता हूं, आपको जानने के लिए इस रूप में आपके सामने आया हूं। अगर मैं गलत हूं तो क्षमा करें। "राम खिलखिलाकर हँस पड़ा। "वह हमारा राजा है। मैं उनका मंत्री हूं। देखो, हमारे राजा सत्यपरायण ऋष्यमुख की इस भूमि पर रह रहे हैं, और वे दुश्मन से डरते हैं। जैसा उन्होंने कहा, मैं आपके पास आया हूं। "हनुमान जी ने कहा।

हनुमान जी के शब्दों को सुनने के बाद भगवान राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

उन्होंने कहा, "हनुमान की नाक, आंखें और चेहरा निर्दोष हैं। दूसरे शब्दों में, ऋग्वेद साम यजुर्वेद के विद्वान प्रतीत होते हैं। व्याकरण में। कोई शक नहीं।

ध्वनि और स्वर त्रुटिहीन हैं। कोई दुश्मन नहीं है!

राजा को ऐसे लोगों की जरूरत है।

ऐसे स्वर्गदूत कोई भी काम कर सकते हैं। "लक्ष्मण ने कहा।

राम ने लक्ष्मण को क्या करने का आदेश दिया था?

"लक्ष्मण! हमें अपने बारे में बताइए। "राम ने कहा।

नोटः लक्ष्मण राम, उनके पिता दशरथ, जंगल, सीता-पहाड़, जटायु की मृत्यु और कबंद का वर्णन करते हैं।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

**1579. लक्ष्मण ने क्या कहा?**

जे. 'हनी! इश्वाकु के रक्षक भगवान राम टूटे दिल के साथ आपके भगवान की शरण लेते हैं। "लक्ष्मण ने कहा।

**1580. लक्ष्मण ने क्या कहा?**

जे. लक्ष्मण के शब्दों को सुनकर हनुमान बहुत खुश हुए और कहा, "हमारे सुग्रीव निश्चित रूप से आपके दोस्त होंगे। सुग्रीव भी अब संकट में था, अपने भाई वली के राज्य पर कब्जा करने के बाद, और उसकी पत्नी को ले जाने के बाद, सुग्रीव को राज्य से निष्कासित कर दिया। हम सभी सुग्रीव के पास जाते हैं क्योंकि हमारे राजा सुग्रीव देवी सीता को खोजने में हमारी मदद कर सकते हैं। "उन्होंने कहा।

**1581. में। राम ने क्या कहा?**

जे. "लक्ष्मण हमारी आवश्यकता है, सुग्रीव हमारी आवश्यकता है। हमें शांति चाहिए। तो यह हमारा काम है। जब मैं उसे देखता हूं तो मैं उस पर विश्वास करता हूं। उसका चेहरा झूठ नहीं लगता। ताकि हम उसके साथ दोस्त बन सकें। "उन्होंने कहा।

**1582. में। लक्ष्मण सुग्रीव के पास कैसे गए?**

जे. हनुमान ने एक भिक्षुक का रूप छोड़ दिया। वह आसानी से दिखाई देता था। राम और लक्ष्मण के कंधों पर बैठकर, हनुमान ऋषिमुख के पास गए। हनुमान ने रामलक्ष्मी को अपने कंधों पर ले लिया और श्रीश्यमुख के पास आए।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

**1583. हनुमान ने सुग्रीव को राम और लक्ष्मण के बारे में क्या बताया?**

जे. "सुग्रीवा! जो आया वह महान ऋषि, शक्तिशाली विक्रम, रामचंद्र मूर्ति और उनके भाई लक्ष्मण थे। जब राम को राजा दशरथ ने जंगल में भेजा, तो वह जंगल में आए, लेकिन उन्होंने धार्मिकता में न चलने के कारण अपना राज्य नहीं खोया। जब वह अपनी पत्नी सितम्मा और लक्ष्मण के साथ जंगल में आया, तो उसकी पत्नी का एक राक्षस ने अपहरण कर लिया। इसलिए वे इस जगह की तलाश में गए। वह आपसे प्यार करता है और आपसे दोस्ती करना चाहता है। इसलिए सुग्रीव को उससे दोस्ती करनी पड़ी।

**1584 .में। हनुमान के शब्दों को सुनने के बाद सुग्रीव ने राम से क्या कहा?**

जे. "हे राम! आपके पास महान तपस्या, कई गुण और महान प्रेम है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसा अच्छा दोस्त मिला। ऐसे व्यक्ति को अगर कोई दोस्त मिल जाए तो उसे इस दुनिया में कुछ भी मिल सकता है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए भगवान का उपहार है। राम! ऐसा नहीं है कि आप नहीं जानते हैं, एक दोस्त में एक गुण होता है। जिस तरह एक पति अपनी पत्नी के दाहिने हाथ में अपना दाहिना हाथ रखता है, उसी तरह एक दोस्त को भी उसका दाहिना हाथ पकड़ना चाहिए। यही राम चरण है! अगर तुम सच में मेरे साथ दोस्ती करना चाहते हो, तो अपना हाथ मेरे हाथ में रखो। "उन्होंने कहा।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1585. में। राम और सुग्रीव के बीच दोस्ती कैसे हुई?

जे. भगवान राम ने प्रेम और स्नेह से सुग्रीव का हाथ पकड़ा। उसने धीरे से उसे आगे खींचा और उसे कसकर गले लगा लिया। वह इस दृश्य को देखकर खुश था। लक्ष्मण दंग रह गए। देर न करें। आग को जलाएं। उन्होंने आग बुझाई। राम और सुग्रीव दोनों ने फूल चढ़ाए और हनुमान द्वारा प्रज्ज्वलित अग्नि की पूजा की। वह इधर-उधर घूमता रहा। उन्होंने एक-दूसरे की मदद करने और अपनी दोस्ती जारी रखने का संकल्प लिया।

1586. राम के बैठने के लिए शाखा कौन लाया? जे. सुग्रीवा

1587. में। भगवान राम किस पेड़ के नीचे बैठे थे?

जे. सुग्रीव ने साल के पेड़ की फूलों से भरी एक मजबूत शाखा को तोड़ दिया। वह बैठा हुआ था। राम वहाँ बैठा है। राम एक स्टूल पर बैठे हैं

1588. लक्ष्मण के बैठने के लिए पेड़ों की डालियाँ कौन लाया?

जे. हनुमान जी

1589 में। लक्ष्मण किस पेड़ की डाल के नीचे बैठे थे?

जे. वह एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था।

नोटः हनुमान लक्ष्मण के साथ बैठे हैं। चारों आपस में बातें कर रहे थे। उस समय अशोकवन में बैठी सीता ने शुभ शकुन के रूप में अपना बायां हाथ हिलाया। और यह रावण के दाहिने हाथ पर लिखा गया था, जो बुराई को दर्शाता है।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

**1590 में। भगवान राम ने क्या कहा?**

जे. "हे राम! मेरे भाई वली ने मुझे राज्य से बाहर निकाल दिया। मेरी पत्नी अपनी पत्नी की तरह महसूस करती है। मैं इस पहाड़ पर रहता हूँ।

**1591. क्या कहा था भगवान राम ने?**

जे. "प्रिय मित्र! मुझे दोस्ती पता है। मैं तुम्हारी पत्नी को मार दूंगा। केवल यही बुराई को मारने के लिए पर्याप्त है। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं। "उन्होंने कहा।

**1592. राम के शब्दों से प्रसन्न सुग्रीव ने क्या कहा?**

"हे राम! आपको वापस सुनकर मुझे बहुत खुशी हो रही है मेरी पत्नी। मेरे डर को हमेशा के लिए छोड़ दो। कृपया मुझे फिर से चोट न पहुँचाएँ। "उन्होंने कहा। सुग्रीव ने राम से सीता के बारे में क्या कहा? हनुमा ने कहा कि रावण ने आपकी पत्नी शितिता का अपहरण कर लिया है। किसी भी जानवर को जहर नहीं दिया गया है। रावण के लिए सीता को वश में करना भी असंभव है। "सुग्रीव ने कहा। "हे राम! यह मेरा वादा है कि जहां भी रावण सीता को स्वर्गीय निवास में छिपाएगा, वह उसे ढूंढ लेगा और उसे आपको सौंप देगा। यह मेरा वादा है ", सुग्रीव ने कहा।

**1594। राम से बात करते समय सुग्रीव को क्या याद आया?**

"हे राम! एक दिन मैं इस पहाड़ की चोटी पर मंत्रियों के साथ बैठा था। फिर आकाश में लाल आँखों वाला एक राक्षस हरे

अमरनाथ अमर

कपड़ों में एक महिला को ले जाता है। फिर माँ ने अपनी साड़ी फाड़ दी, उसमें अपने कुछ गहने भर दिए और उसे ऊपर से नीचे फेंक दिया। मुझे लगता है कि यह महिला हो सकती है। मैं जाकर उन आभूषणों को ले जाऊंगा, और देखूंगा कि क्या वे सीतम्मा के लिए धन्यवाद हैं।

1595. सुग्रीव के शब्दों को सुनने के बाद राम ने क्या कहा?

राम कहते हैं, "हनुमान! जल्दी से गहने और वस्त्र लाओ, और मैं अपनी पत्नी के गहने और वस्त्र की देखभाल करूँगा।

"उन्होंने उत्साह से कहा।

1596.। सुग्रीव ने राम को आभूषण देते समय क्या कहा था?

"हे राम! यह वस्त्र है, ये आभूषण हैं, देखें कि क्या वे आपकी पत्नी सीता के हैं! "उन्होंने कहा। जब राम ने गहने देखे तो क्या हुआ?

ए. वह साड़ी पहन रही है! राम को कोई संदेह नहीं था। उन्होंने इसे अपने दिल से छुआ। वह रो पड़ा। सीता कहकर सीता बेहोश हो गई। वह एक पल के लिए रुक गया। उसने कपड़ों और जूतों को देखा। उसे आँसू याद नहीं हैं। उसने लक्ष्मण की ओर देखा।

राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

"सीता ने ये रत्न हमें दिए हैं। घनी घास में गिरने से कुछ भी ठीक नहीं रहता। लेकिन मैं उन्हें पहचान नहीं सका। मुझे एक बार बताइए। "उन्होंने कहा।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



**1599. रत्नों को देखने के बाद लक्ष्मण ने राम से क्या कहा?**

"अ! मुझे नहीं पता कि ये बाल साली रखती है या नहीं, मुझे नहीं पता कि ये बर्तन साली रखती है या नहीं। भाई! ये कुछ ही हैं। मैं हर दिन अपनी साली के चरणों में प्रणाम करता था, और फिर मैंने अपनी साली के पैरों पर इन बूंदों को देखा।

नोटः-विद्वानों का मानना है कि लक्ष्मण द्वारा लिखे गए ये शब्द प्राच्य लिपि में नहीं हैं।

**1600. में। आभूषणों को देखने के बाद राम ने सुग्रीव से क्या कहा?**

"दोस्त! ये आभूषण निस्संदेह मेरी पत्नी सीता हैं। राक्षस ने मेरी सीता का अपहरण कर लिया और उसे गले लगा कर मार डाला। नहीं, मैं अब उसकी वजह से इस दुनिया में राक्षस नहीं रहूंगा। मुझे बताओ मेरे दोस्त! राक्षस कहाँ है? वह कैसा है? "उन्होंने कहा।

**1601. राम ने क्या जवाब दिया?**

जे. "हे राम! ईमानदारी से, मुझे नहीं पता कि राक्षस कहाँ है। लेकिन मुझे पता है। मुझे पता चल जाएगा कि वह ब्रह्मांड में कहां है और उसे उसके परिवार के साथ मार दूंगा। मैं तुम्हें अपनी पत्नी दे दूँगा। "उन्होंने कहा।

**1602. में। सुग्रीव ने राम की हिम्मत कैसे की?**

जे. "हे राम! मैं कहता हूँ कि तुम मेरे दोस्त हो। आपको इसके विपरीत नहीं सोचना चाहिए। परेशानी, संपत्ति की हानि या जीवन

का खतरा होने पर भी रोगी दुखी नहीं होता है। कोई भी खुश नहीं होगा! ऐसा लगता है कि वह मर चुका है और मर रहा है। शोक संतप्त व्यक्ति साहस खो देता है और मर जाता है जैसे कि कोई भारी जहाज समुद्र में डूब गया हो। मेरी तरफ देखो! आपकी तरह मैंने भी अपना राज्य और अपनी पत्नी खो दी है। बंदर। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। दुखी नहीं हैं। हाथ जोड़कर, कृपया अब और मत रोओ! मैं नहीं देख सकता। तुम राम हो। दुनिया. आप साहस और धैर्य के प्रतीक हैं। यह याद रखें। "सुग्रीव ने कहा।

**1603. में। क्या कहा था भगवान राम ने?**

जे. "वह एक जरूरतमंद दोस्त है। एक दोस्त के रूप में भी जाना जाता है। आपके शब्दों ने मेरी मदद की है, मेरे दोस्त! मुझे राहत मिली। यह आरामदायक है। "वह खुश था। "सीता का अपहरण करने वाले राक्षस को खोजने के लिए आपका दोस्त जिम्मेदार है! अगर मुझे पता चलता है कि यह कहाँ है, तो मैं इसे देखूंगा। "राम ने कहा।

**1604. में। भगवान राम ने क्या कहा?**

जे. "अब मुझे बताओ, मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ? कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं क्या करता हूं, मत पूछो। "राम ने कहा। उसने उसके कंधों को पकड़ लिया और उसे गले लगा लिया।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

**1605. में। राम ने क्या जवाब दिया?**

जे. "मुझे पता है कि तुम मेरे लिए कुछ भी करोगे। जैसे ही तुम मेरे दोस्त बनोगे, मेरा राज्य मेरा हो जाएगा। मैंने सोचा कि मेरी पत्नी मेरी होगी। अगर आपको नहीं लगता कि मैं... तुम्हें पहले पता चल जाएगा कि मैं तुम्हारा दोस्त हूँ। मैं ऐसा व्यवहार करूँगा जैसे मैं आपको पहचानता हूँ। मैं तुम्हारे लिए कुछ छोड़ जाऊँगा! मैं आखिरकार यह शरीर तुम्हारे लिए छोड़ दूंगा। "सुग्रीव ने कहा।

**1606. में। भगवान राम ने क्या कहा?**

जे. "मैंने तुमसे कहा था! मेरा भाई बहुत मजबूत है। उन्होंने मुझे डांटा, अपमानित किया, मुझे राज्य से बाहर निकाल दिया, मुझे अपनी पत्नी से वंचित कर दिया, जिसे मैं अपने जीवन से अधिक प्यार करता था। मैंने उन सभी को मार डाला है, मैंने कई लोगों को मुझे मारने के लिए भेजा है। इसलिए पहले तो मुझे डर लगा कि जब मैंने तुम्हें देखा तो भी उसने तुम्हें दूर भेज दिया। "उन्होंने कहा।

**1607 में। सुग्रीव के शब्दों को सुनकर राम ने क्या सोचा?**

जे. सुग्रीव बहुत सी बातें कहता है लेकिन फिर भी यह नहीं बताता कि उसका अपने भाई के साथ झगड़ा क्यों हुआ था। लेकिन वह पूछना नहीं चाहता था।

**1608. भगवान राम ने क्या कहा?**

जे. "चलो, मेरे दोस्त! आपको अपने भाई से क्यों लड़ना पड़ता है?

मुझे विस्तार से बताइए। "राम ने पूछा।
नोटः-सुग्रीव ने अपने बारे में, अपने भाई वली के बारे में और उनके बीच उत्पन्न हुए झगड़े के बारे में बताना शुरू किया।

1609. में। किष्किंधा राज्य पर कौन शासन करता है?
जे. वृक्षराज/वृक्षराज ने वानर राज्य पर शासन किया।

1610. में। राक्षस के पुत्र कौन हैं? जे. वली, सुग्रीवा

1611. में। राजा की मृत्यु के बाद कौन राजा बना? जे. वली

1612 में। मनु के पुत्र कौन हैं? जे. मायावी, धुंडुभी

1613. में। दुश्मन कौन था? जे. माया के साथ।

1614. माया के साथ वली की दुश्मनी का कारण क्या है?
जे. उनमें एक महिला को लेकर बहस हुई थी।
वह एक स्त्री से प्रेम करता था। महिला उससे प्यार करती थी।
आस्ट्री ने वली से शादी की और उसे शाही महल में ले आया।
माया को गुस्सा आ गया।

1615. मायावी ने वली को किस समय युद्ध के लिए बुलाया था?
जे. एक रात, जब सभी सो रहे थे, वह किष्किंधा के दरवाजे पर खड़ा था और निडर होकर गर्जना कर रहा था। वह युद्ध में गया। वह माया से लड़ने के लिए तैयार था।

1616. में। युद्ध के लिए कौन जिम्मेदार था?
जे. सुग्रीव ने रात में राक्षसों से लड़ने के लिए नहीं, बल्कि सुबह बाहर

जाने के लिए कहा। सुग्रीव ने जो कुछ भी कहा, उसका कोई नतीजा नहीं निकला।

1617 में। माया से लड़ने के लिए वली के साथ कौन गया था?

जे. सुग्रीवा

1618. युद्ध शुरू होने से पहले वह क्यों भाग गया?

जे. वली और सुग्रीव दोनों के आने पर मायावी भाग गई।

1619. में। वानर भाइयों को देखकर मायाव कहाँ भाग गया?

जे. जब एंडी सुंदर माया को पकड़ने की कोशिश कर रहा था, तो राक्षस बंदरों से भाग गया और लाठियों और तारों की एक मोटी परत के साथ एक गुफा में भाग गया। वह वहाँ गया और वहाँ खड़ा रहा।

1620. वली ने सुग्रीव के साथ क्या किया?

जे. 'चीनी! आप इस छेद के प्रवेश द्वार की रखवाली करते हैं, और मैं अंदर जाकर राक्षस को मार दूंगा। "तुम मेरे भाई हो, मेरे छोटे भाई हो, और मैं तुम्हें अपने चरणों में खड़ा करने जा रहा हूँ और तुमसे कहता हूँ, 'यहाँ रहो।

1621. में। सुग्रीव ने घर के बाहर कितने साल इंतजार किया?

जे. उन्होंने लगभग एक साल इंतजार किया।

1622 .में। आपने गुफा से क्या सुना?

जे. एक दिन गुफा से एक ज़ोर की आवाज़ आई।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1623 में। आपने किसकी आवाज़ सुनी?

जे. क्या हुआ? कुछ नहीं कर सकते थे? सुग्रीव ने गुफा में प्रवेश किया।

1624 में। जब सुग्रीव ने गुफा में प्रवेश किया तो उन्होंने क्या देखा?

जे. उसने देखा कि खून निकल रहा है।

1625. में। जब सुग्रीव ने खून की बाढ़ देखी तो उन्होंने क्या सोचा?

जे. वली ने पुष्टि की कि वह राक्षस के हाथों मर गया।

1626. सुग्रीव ने राक्षस को बाहर आने से रोकने के लिए क्या किया?

जे. राक्षस को किष्किंधा पर हमला करने से रोकने के लिए उसने एक बड़ी चट्टान से गुफा का दरवाजा बंद कर दिया।

1627. सुग्रीव किष्किंधा का राजा कैसे बना?

जे. राज्य में किसी को नहीं बताया गया था कि सुग्रीव की मृत्यु हो गई थी। वह बिना सोचे समझे बैठा रहा। मंत्री और बुजुर्ग उपस्थित थे। वे राजनीति से डरते हैं। मैंने नहीं सुना कि उसने क्या कहा। सुग्रीव को ताज पहनाया गया। सुग्रीव ने राज्य पर शासन किया।

1628. में। वली किष्किंधा राज्य में कब आया?

जे. सुग्रीव के राज्याभिषेक के एक दिन बाद, वली ने राक्षस को मार डाला और राज्य में लौट आया।

1629. सुग्रीव ने राज्य में आने पर क्या कहा था?

जे. "अन्ना! आपका आना खुशी की बात है।

यह आपका मेरा स्वागत है। 'मैंने कहा। लेकिन, वह कुछ नहीं बोले। मुझे एहसास हुआ कि मुझे गुस्सा आ रहा है।

1630. में। वह इतना क्रोधित क्यों हुआ?

जे. वली सुग्रीव पर उसे धोखा देने और उसे गुफा से बाहर आने से रोकने के लिए क्रोधित हो गया।

1631. में। सुग्रीव ने वली को क्या समझाया?

जे. "" "मैं आपको एक साल से अलमारी में ढूंढ रहा था!" एक दिन, मैंने एक जोरदार आवाज सुनी और मैं अंदर आ गया। खून बह रहा था। आप मर चुके हैं। मैं जीतना चाहता था। मैंने गुफा में एक बड़ी चट्टान रखी ताकि वह किष्किंधा पर हमला न करे।' मैंने कहा। एक पल के लिए चलना बंद कर दें। उसने जोर से साँस ली । वह रुक गया और फिर से चला गया। मैं रोते-रोते शहर आया। मैंने तुम्हारे बारे में किसी को नहीं बताया! वे एक निर्णय पर पहुंचे हैं। राज्य को भ्रष्ट नहीं होना चाहिए। मुझे नियुक्त किया गया था। "उन्होंने कहा।

1632. में। सुग्रीव वली से क्यों डरते थे?

जब सुग्रीव ने वली को बताया कि क्या हुआ था, तो वली ने लाल सुग्रीव को देखा। यह देखकर सुग्रीव को लगा कि वह निगलने वाला है और वह डर गया।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

**1633. में। सुग्रीव ने वली से क्या पूछा?**

जवाबः मैं आपसे झूठ नहीं बोलूंगा। मुझे तुम्हारा राज्य नहीं चाहिए। मैं आपको हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूं। अगर मैं गलत हूं तो मुझे माफ कर दें। अपना राज्य ले लो! नियंत्रण रखें! मैं एक राजकुमार के रूप में हमेशा आपके चरणों में खड़ा रहूंगा। मैं तुम्हारा सफेद रंग ले लूंगा। कृपया बड़ा सोचिए। "

**1634 . में। वली ने सुग्रीव पर क्या आरोप लगाया?**

ए. चिही, आपने मुझे ताज पहनाया है जब मैं मौजूद नहीं था। तुम दुष्ट हो। "

**1635. जब उन्होंने सुग्रीव के शब्द सुने तो उन्होंने क्या किया?**

उ. मैंने उनकी बात नहीं सुनी। उन्होंने कई शब्द कहे। सुग्रीव ने मंत्रियों को कैद कर लिया। वली ने तब अपने मंत्रियों और प्रमुखों के साथ एक बैठक की और सुग्रीव को सभी के सामने अपराधी बना दिया।

**1636 .में। वली ने सभा में क्या कहा?**

"" "आप सभी जानते हैं कि मायाव मुझे युद्ध के लिए बुला रहा है, और मैं वननि का पीछा कर रहा हूँ, और यह दीन सुग्रीव मेरा पीछा कर रहा है!" भागते हुए माया ने एक गुफा में छलांग लगा दी। मैं उससे दूर चला गया। मैं गुफा के प्रवेश द्वार पर जाकर इस दुष्ट व्यक्ति और सुग्रीव का इंतजार करना चाहता था।

अमरनाथ अमर

मैं पीछे मुड़ गया। गुफा के दरवाजे के पास आने पर उस दरवाजे को एक बड़ी चट्टान से बंद कर दिया जाता है। बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। 'चीनी! मैं सुग्रीव को फोन करके थक गया था। क्रोध, हताशा, हताशा, हताशा... मैं इससे ऊब चुका हूँ। "वली ने कहा। वह उसके लिए मुस्कुरा रहा था।

1637. में। वली ने सुग्रीव के खिलाफ गुस्से में क्या किया?

जे. वली ने सुग्रीव को अपनी बेड़ियों के साथ राज्य से बाहर निकाल दिया और सुग्रीव की पत्नी रूमा को अपने साथ रखा।

नोटः-सुग्रीव ने राम को विस्तार से बताया कि कैसे वली ने उन्हें राज्य से बाहर निकाल दिया।

1638. में। सुग्रीव ने राम से क्या कहा?

"हे राम! उसने न केवल मेरा राज्य और मेरी पत्नी छीन ली है, बल्कि उसने मुझे राज्य से भी दूर कर दिया है। यह मेरे लिए पर्याप्त नहीं था। मैं अपनी जान बचाने के लिए भागा। ऐसी कोई जगह नहीं है जो मैंने नहीं देखी हो। मेरा कोई देश नहीं है। आखिरकार मैं यहां तक ही पहुंचा हूं। तुम यहाँ नहीं आ सकते। "उन्होंने कहा।

1639. में। राम ने सुग्रीव से क्या कहा?

"दोस्त! सुग्रीवा! हत्या का एक अच्छा कारण था। मैं उन्हें अपने तीरों से मार डालूंगा। वह मेरी आँखों में जीवित रहेगा। मैं तुम्हें फिर से राजा बनाऊंगा। आपकी पत्नी आपके पास आएगी।

मेरे वचन पर विश्वास कीजिए। "उन्होंने कहा।

1640 .में। सुग्रीव ने राम से वालिनी के बारे में क्या कहा?

"हे राम! आप इसे मार सकते हैं। मजबूत! हालांकि, यह मेरा कर्तव्य है कि मैं आपको बताऊं। तो, मैं सुनता हूँ। वह अपने नंगे हाथों से किसी भी पेड़ को तोड़ता है। वह गेंदों से खेलते हैं। हर दिन, वह सूर्यास्त के लिए सूर्योदय से पहले उठता है, आकाश में यात्रा करता है और पूर्वी समुद्र में स्नान करता है। वह दक्षिण सागर में रहता है। वह पश्चिमी समुद्र में सूर्य को अर्घ्य देता है, उत्तरी समुद्र में मंत्र करता है और संध्या व्रत को समाप्त करता है। इतने सारे समुद्र होने पर भी आप थकेंगे नहीं। उनमें बिना पसीने के किष्किंधा पहुँचने का साहस है। "उन्होंने राम को उनकी शक्तियों के बारे में बताया।

1641. में। शादी के बाद आप क्या करते हैं?

जे. मत्था टेकने के बाद, वह घर जाता है, कुछ दूध पीता है और जंगल में लौटता है। यहाँ के पहाड़ ऊबड़-खाबड़ हैं। फिर वह उन्हें हवा में फेंक देता है और गेंदों को पकड़ लेता है।

1642 में। राक्षस धुंदुभी ने युद्ध में किसे आमंत्रित किया था?

जे. सागर।

1643 में। सागर ने क्या कहा?

जे. मेरी ताकत कहाँ है, तुम्हारी ताकत कहाँ है?
मैं तुमसे युद्ध नहीं कर सकता।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1644. में। सागर को क्या हुआ?

जे. "यदि तुम मेरे साथ युद्ध नहीं करना चाहते हो, तो मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा; मुझे एक ऐसा व्यक्ति दिखाओ जो मेरे साथ युद्ध कर सकता है।

1645. में। समुद्र ने धुंदुभी को क्या जवाब दिया?

ए. जो नायक आपसे लड़ सकता है, वह पहाड़ों का राजा, हिमवन है! जाओ और उससे लड़ो। "उन्होंने कहा।

1646. हिमवंत कौन है? ए. भगवान शिव के पिता

1647 . में। धुंदुभी ने हिमवंत को युद्ध के लिए कैसे बुलाया?

ए. उन्होंने हिममानव की चोटियों को सींगों से ढक दिया। राजा इस पीड़ा को सहन नहीं कर सका। उन्होंने मानव रूप धारण किया था और बदमाश के सामने खड़े थे।

1648. में। हिमवन ने धुंदुभी से क्या कहा?

'आह! मैं आपसे लड़ना नहीं चाहता, जो महर्षिओं और सम्मेलनों के शब्दों से नाराज हैं। मैं युद्ध के लिए तैयार नहीं हूँ। "उन्होंने कहा।

1649. में। उसने क्या कहा कि वह लड़ नहीं सकता था?

जे. आप भी ऐसा कैसे करते हैं? समुद्र आपकी तरह लड़ेगा। मुझे उस आदमी का नाम बताओ जो मेरे साथ लड़ेगा।

1650. में। कौन किसके साथ लड़ रहा है?

जे. उसके साथ युद्ध करना आपके लिए अच्छा है ", राजा ने कहा।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

**1651. उसने किस बारे में पूछा?**

जे. 'यह कौन है? वह कहाँ है? "उन्होंने पूछा। वे इन्द्र के पुत्र हैं। वह दक्षिण में किष्किंधा पर शासन करता है। पहाड़ के राजा ने कहा। उन्होंने अपना भाषण खत्म नहीं किया, लेकिन किष्किंधा के पास भागे।

**1652. वली के साथ युद्ध के लिए धुंदुभी ने कौन सा रूप धारण किया था?**

जे. उन्होंने टोपी पहनी हुई थी।

**1653. धुंडुभी को युद्ध में कैसे आमंत्रित किया गया था?**

जे. वह शाम को वहां पहुंचे। अपने सींगों से उसने शहर के फाटक और उसके पास के पेड़ों को गिरा दिया। उन्होंने शहर में गिरे हुए पेड़ों और दरवाजों की चौखटों को गिरा दिया और वली को द्वंद्वयुद्ध में आने के लिए चिल्लाया।

**1654. उसने क्या देखा?**

जे. 'अरे बदमाशी! समय क्या है? क्या आप जीवित नहीं हैं? यहाँ से बाहर निकलो और अपनी जान बचाओ! "उन्होंने कहा।

**1655. धुंदुबी का क्या जवाब था?**

ए. युद्ध के लिए समय नहीं है। तुम इतने बलवान हो कि मैं तुमसे लड़ने आया हूँ। मन के सामने गर्व करने की आवश्यकता है। अगर आप एक हीरो हैं! मेरे साथ युद्ध करो। मुझसे लड़ो। "उन्होंने कहा।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

### 1656. धुंडुभी ने वली का अपमान कैसे किया?

प्रश्नः क्या आपको शराब पीने की लत है? लड़ाई नहीं कर सकते? लेकिन यह कल आ रहा है! मैं यहाँ आपका इंतजार करूँगा। मेरी बात सुनो, और आज रात अपनी रोशनी के साथ हरम में जाओ! आराम करें और सोएं। अभी जल्दी है! मित्रों और रिश्तेदारों को उदारतापूर्वक दान करें। उन योगियों को देखो! तू उसे मुकुट पहना, और उसे अपना राज्य दे। सभी को अलविदा कहो, मरने के लिए तैयार हो जाओ और मेरे साथ युद्ध करने आओ।

### 1657. वली ने धुंदुभी से क्या कहा?

"मैं शराब नहीं पीता। लड़ाई से पहले शराब पीने की प्रथा है। यही मैंने किया। मेरे साथ युद्ध करो! "उसने फ़ोन किया।

### 1658. वली ने हड़पने वाले से लड़ने के लिए क्या पहना था?

ए. उन्होंने अपने पिता देवेंद्र द्वारा दिए गए इंद्रमा को गर्दन पर पहना था।

### 1659. वली और धुंडुभी के बीच युद्ध कैसे हुआ?

ए. उन्होंने मुझे आने के लिए कहा। उसने उसे दोनों हाथों से पकड़ लिया और दोनों हाथों से पकड़ लिया। उसने उसे ऊपर उठाया और हवा में फेंक दिया। इतना कि कोई भी इसे नहीं देख सकता था। वह मुड़ गया और जमीन पर गिर गया। उसकी आंख, कान और मुंह से खून बह रहा था। उसने खून उगल दिया और खून उगल दिया।

अमर

उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाया। उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाया। जैसे-जैसे युद्ध में वली की ताकत बढ़ती गई, धुंदुभी और अधिक थका हुआ होने लगा। अंततः थकान और थकावट के कारण उनकी मृत्यु हो गई। उसने मुड़कर मृत व्यक्ति को अपने पैर से देखा। फिर उसने शव को हवा में उठाया और उसे अपने हाथों में ले लिया। उसने उसे उठाया और फेंक दिया। "सुग्रीव ने कहा।

1660 सुग्रीव को सुन रहे राम ने क्या कहा?

जवाबः यह बहुत दूर की बात है। वह कोई साधारण व्यक्ति नहीं है। "राम की आँखें चौड़ी हो गईं। "उसके बाद क्या हुआ? "उन्होंने पूछा।

1661 में। शव कहाँ फेंका गया था?

जे. खंजर फेंकने वाले धुंदुभी का शव मातंग महर्षि के आश्रम के पास गिर गया।

1662 .में। जब उसने वेश्या का शव देखा तो उसे गुस्सा क्यों आया?

जे. धुंडुभी का पार्थिव शरीर मथंगा महर्षि के आश्रम में पहुंचा। पेड़ और झाड़ियाँ उखड़ गईं। आश्रम को नष्ट कर दिया गया। आश्रम का हर मोक्का महर्षि, मोडू और उनकी बहू को हांफते हुए देखकर अवर्णनीय रूप से क्रोधित था।

1663. में। जब उसने शव देखा तो उसने क्या किया?

जे. "उसने कहा," "जो कोई शव को भट्टी में फेंकता है, अगर वह दुष्ट व्यक्ति जिसने इस शरीर को फेंका है, यहाँ आता है,

तो उसका सिर एक हजार टुकड़ों में टूट जाएगा और वह मर जाएगा।"
"" जो कोई भी यहाँ पेड़ों को नुकसान पहुँचाता है, मैं उसे शाप देता हूँ, वे कल बाद में मर जाएंगे। मेरे अंदर से बाहर निकलो। "उन्होंने कहा।

1664 धर्म के अभिशाप के बाद वली कौन गया?

ए. इंद्रधनुष

1665. में। वली ने बंदरों से क्या कहा?

"तुम यहाँ क्यों आई हो? सब कुछ ठीक है! "उन्होंने पूछा।

1666 .में। बंदरों ने वली से क्या कहा?

ए. "ऋषि ने वली को शाप समझाया। महर्षि को वली मातंग महर्षि के पैरों पर गिरने और अभिशाप वापस लेने पर दया नहीं आई।
"भगवान राम कहते हैं।

1667. में। सुग्रीव राम और लक्ष्मण को कहाँ ले गए?

वह शव को उस स्थान पर ले गया जहां वह पड़ा था।

1668. में। उडाऊ का शरीर अब कैसा है?

धुंदुभी के शरीर का कंकाल अब एक बड़ा पहाड़ बन गया है।

1669. में। बाली की वीरता के बारे में सुग्रीव ने राम से क्या कहा?

"हे राम! यह मत सोचिए कि मैं ऐसा कह रहा हूँ। क्या आपने हमारी सैन्य शक्ति के बारे में सुना है? क्या आपको लगता है कि यह सुनने के बाद भी आप वली को मार सकते हैं? क्या तुममें मारने की हिम्मत है? वली को कभी किसी ने धोखा नहीं दिया है,

वह जीवन में हार नहीं जानता है। अगर आप उसका नाम कहेंगे तो वह भाग जाएगा। "उन्होंने कहा।

1670 में वली के साथ लड़ने वाले गंधर्व कौन थे? जी. गोलाभुड़ू

वली और गोलाभुनी के बीच युद्ध कितने वर्षों तक चला?

15. साल तक उन्होंने गोलभद्र नामक एक गंधर्व के साथ युद्ध किया और उन्हें मार डाला।

1672. में। उजाड़ के शरीर के बगल में कौन से पेड़ हैं?

ए. साल के पेड़

1673. सुग्रीव ने राम से क्या कहा?

ए. हे राम! खिलौने के जन्म के समय, वाली इन पेड़ों में से प्रत्येक को पकड़ती है और उन्हें कसकर झूलती है, जिससे पेड़ सबसे छोटे अंकुर से भी वंचित हो जाता है। "उन्होंने कहा।

1674 में। सुग्रीवा के शब्दों पर कौन हँसा? जे. लक्ष्मण

1675 में। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "दोस्त! आप कहते हैं कि अब आप मानते हैं कि राम वली को मार सकते हैं यदि राम वही करते हैं जो वे करते हैं। "उन्होंने पूछा।

1676. में। उन्होंने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. हमारा भगवान इन सात पेड़ों को काट सकता है। राम को जाकर ऐसा करने की जरूरत नहीं है, मेरा मानना है कि अगर मैं साल के पेड़ को तीर से मारता हूं। उस दिन जब मेरे बड़े भाई ने

धुंदुभी के शव को फेंक दिया, तो वह बहुत दूर चला गया। भगवान राम को अपने पैर से इस कंकाल को छूने दें, अगर भगवान राम 200 धनुष दूर हैं तो मुझे विश्वास होगा।

राम ने सुग्रीव से क्या कहा?

"मैं भी वैसा ही करूँगा। आपको समझाने के लिए जो भी करना होगा, मैं करूंगा।"

1678. राम ने धुंदुभी के शरीर को कितनी दूर तक छुआ?

सुग्रीव के अनुसार, जब राम ने अपने अंगूठे से शव को छुआ, तो वह 10 योजन दूर गिर गया।

1679. में। सुग्रीव राम के बारे में क्या सोचते थे?

उ. सुग्रीव खुश नहीं दिखाई देता है। ऐसा लगता है कि सुग्रीव उत्तमकंकला को दस योजन दूर गिराने में सक्षम नहीं थे। उसने खून से लथपथ शव को दूर फेंक दिया। जब आप लड़ते-लड़ते थक जाते हैं। इस तरह वे राम से भी बड़े प्रतीत होते थे। वह राम की आँखों में नहीं देख सकता था।

1680. में। सुग्रीव ने राम से क्या कहा?

"हे राम! मेरा मानना है कि अगर आप अपने तीर से इन साल के पेड़ों में से किसी एक को भी एक शॉट से मार सकते हैं, तो आप मुझसे अधिक मजबूत होंगे। अगर यह गलत है तो मुझे माफ कर दें"। उन्होंने कहा।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



**1681 में। राम ने साल के पेड़ों को कैसे काटा?**

जे. राम। उन्होंने बैटन को आगे बढ़ाया। उनके पास एक मजबूत बिंदु था। उसने उसे अपने कान की नोक तक खींचा। उसने सामने के पेड़ को देखा। उसने बंदूक गिरा दी। तीर ने न केवल उस पेड़ को मारा जिसे राम निशाना बना रहे थे, बल्कि उसके पीछे छह अन्य पेड़ों को भी मारा। यह उसी गति से जमीन पर गिर गया। बाहर आ गया। उन्होंने आकर राम की तीन बार परिक्रमा की, और फिर उनके मंदिर में शरण ली। अपनी जगह पर रहें।

**1682. में। साल के पेड़ गिरने के बाद सुग्रीव ने क्या किया?**

जे. पेड़ों को गिरते देख सभी लोग हैरान रह गए। सुग्रीव राम के चरणों में गिर गया।

**1683. भगवान राम ने क्या कहा?**

जे. "राम! यहाँ तक कि इंद्र के तीर में भी आपके तीर की गति नहीं है। तुम इंद्र को भी मारने में सक्षम नहीं हो। महान शक्ति! राम! अपनी महानता के बारे में मेरी अज्ञानता के लिए मुझे क्षमा करें। परमेश्वर के सभी राक्षस तुम्हारे सामने गिरेंगे, जिन्होंने एक ही तीर से एक ही समय में सात मर्टल पेड़ों को काट दिया! वह और क्या है? चिंता न करें! उसे तुरंत मार डालो। आपको बहुत-बहुत बधाई। "सुग्रीव ने कहा।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1684. में। राम ने क्या कहा?

जे. "आप एक दोस्त हैं! अपने सामने किष्किंधा पहुँचें, और तलवार को युद्ध के लिए बुलाएं, और तलवार से लड़ें। मैं पेड़ पर लेट जाऊंगा और अपने तीरों से भेड़िये को मार डालूंगा। "उन्होंने कहा।

1685. सुग्रीव का अनुसरण कौन कर रहा है?

राम, हनुमान, नलुडु, नीलुडु आदि। जा रहे हैं।

नोटः सुग्रीव ने गोंतेती वली को युद्ध में आमंत्रित किया। एक शेर उसका इंतजार कर रहा था। जब सुग्रीव शेर की भूमिका निभा रहे थे, तो राम, लक्ष्मण और हनुमान सभी पेड़ से गिर गए। ठहरिए और देखें।

1686. में। वली ने सुग्रीव से क्या कहा?

जब सुग्रीव ने इतनी हिम्मत से फोन किया, तो वली आश्चर्य में बाहर आया और कहा, "मूर्ख, फिर से आओ, लेकिन देखो मेरी महिमा क्या है।"

1687 में। वली और सुग्रीव कैसे लड़ते हैं?

ए. वे एक-दूसरे के समान हैं। दोनों चाकू और तलवारों से लैस थे। वह दर्द से कांपने लगा। उन्होंने अपनी छाती और पीठ पर कड़ी लड़ाई लड़ी।

युद्ध के बीच में सुग्रीव ने क्या सोचा था?

राम ने अभी तक तीर क्यों नहीं चलाया?

राम अपनी पूंछ पर तीर क्यों नहीं चला सकते थे?

# Shrimad Ramayanm -



## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

ए. राम ने अपनी आवाज़ उठाई। उसने बंदूक की ओर देखा। रूप, आयु, शक्ति और सभ्यता में, राम को यह नहीं पता था कि देवी अश्विनी की तरह दिखने वाले वालियों में से किसकी कृपा थी।

**1690. में। सुग्रीव ने क्या सोचा था जब उसे वली का हाथ लगा था?**

उ. सुग्रीव राम को ढूंढते-ढूंढते थक गए थे। उनके हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। वह खून से लथपथ था। अब वह नहीं है। वह अब और नहीं लड़ सकता। सुग्रीव ने सोचा कि अगर वह खड़ा हुआ तो वह मर जाएगा।

**1691 में। वली से भागने के बाद सुग्रीव कहाँ भाग गया?**

जे. रिश्यमुका पहाड़ पर भाग गए।

**1692 में। ऋषिमुख पर्वत पर सुग्रीव को देखकर वली ने क्या कहा?**

जवाबः शर्म करो! आप महर्षि के अभिशाप को रोककर जीवित रह रहे हैं। फिर से वापस जाओ।

नोटः-कुछ समय बाद, राम लक्ष्मण हनुमानदुल के साथ सुग्रीव के पास पहुंचे। घावों को देखते हुए, राम ने सुग्रीव को रोते हुए और खून पोंछते हुए देखा। वह दुखी था।

राम ने

**1693. में सुग्रीव से क्या कहा था?**

"दोस्त", उसने कहा। उसने सिर नहीं उठाया। मैंने राम को नहीं देखा।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



### 1694 में। सुग्रीव ने राम से क्या पूछा?

जवाबः क्या! मैंने तुमसे मुझे मारने के लिए कहा था। अगर तुम वली को मारने का वादा करते हो, तो मैं युद्ध में जाऊंगा। अगर तुम मुझे बताओ कि मैं तुम्हें मारने नहीं जा रहा हूँ, तो मैं जाऊँगा। तुमने मेरे साथ ऐसा क्यों किया? "उन्होंने पूछा।

### 1695-सुग्रीव को राम का क्या जवाब था?

"मैं आपको बताऊंगा कि मैंने तीर क्यों नहीं मारा और मैंने वली को क्यों नहीं मारा। अगर तुम एक तीर मारना चाहते हो, तो तुम करोगे... तुम दोनों मुझे एक जैसे लगते हो। आप रूप, आयु, ऊंचाई और आवाज में समान हैं। दोनों में ज्यादा अंतर नहीं था। मैं उसकी पहचान नहीं कर सका। मैं आग नहीं लगा सका। "हां? सुग्रीव ने इसे देखा। "अगर मैं, जो तलवार नहीं जानता, तुम पर एक तीर चलाता हूँ, और वह तुम्हें गलती से मार देता है, और तुम मर जाते हो, तो मैं क्या कहूंगा? मुझे न केवल आपको खोना पड़ा, बल्कि मुझे एक दोस्त को खोने की कुख्याति को भी छिपाना पड़ा। मुझे यह पसंद नहीं है। "राम ने कहा।

### 1696 .में। राम ने सुग्रीव से माफी मांगते हुए क्या कहा?

"अब मैं, लक्ष्मण और सीता आपकी सुरक्षा में हैं। आपको खोना हमारे उद्धार को खोने के बराबर है! हमें धोखा दिया गया है! इसलिए मैंने बंदूक नहीं चलाई। अगर मैंने जो किया है उससे आपको चोट लगी है

तो मुझे माफ कर दें। "राम ने कहा।

1696. सुग्रीव ने क्या किया जब वह राम द्वारा क्षमा किए जाने की इच्छा रखते थे?

ए. सुग्रीव ने हाथ जोड़कर सिर झुकाया।

1697. राम ने सुग्रीव से क्या कहा?

'चीनी! मेरे युद्ध के लिए तैयार होने की चिंता मत करो! कुछ ऐसा पहनें जिससे मैं आपको पहचान सकूं और मुझे युद्ध के लिए बुला सकूं। आज कहानी खत्म हो गई। "राम ने कहा।

1698. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

लक्ष्मण! गले में एक गांठ है। आप इसे उठाकर सुग्रीव के गले में बांध दें। फिर सुग्रीव है, जो बड़े फूलों से संपन्न है, और वह ऐसी मालाओं के बिना झुकता है। तब मैं इसे नियंत्रित कर सकता हूं। अच्छाई! अब युद्ध पर वापस जाएँ। "उन्होंने कहा।

1700. है। किष्किंधा के रास्ते में लक्ष्मण ने क्या देखा?

जे. सुग्रीव किष्किंधा के लिए रवाना हो गए। उनके बाद राम, लक्ष्मण और हनुमान आए। वे जंगलों, पहाड़ों, नदियों और घाटियों से गुजरते हैं। फिर उनके बगल से अक्षरों के समूह द्वारा गांधार्व के गाने की आवाज आई। जब वे इसे सुनते हैं तो वे खुश होते हैं। पेड़ों पर धुएँ के बादल छा गए।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1701 में। भगवान राम ने क्या कहा?

जे. "यह क्या बात है? "सुग्रीव ने पूछा।

1702 में। राम ने क्या जवाब दिया?

जे. राम! सात ऋषि थे। उन्होंने अपना सिर नीचे रखा और अपने पैर ऊपर रखे और 700 वर्षों तक तपस्या की। 700 वर्षों तक, वे हर सात रातों में एक बार हवा खाते थे। उनकी तपस्या से आश्चर्यचकित होकर इंदु उनके शरीर को स्वर्ग ले गई। इस जंगल में उनकी तपस्वी शक्ति अभी भी है, इसलिए जंगली जानवर इस जंगल में नहीं जाते हैं, अगर वे जाते हैं तो वापस नहीं आते हैं। आप लक्ष्मण के साथ प्रार्थना करें। "उन्होंने कहा।

1703 में। किष्किंधा शहर के द्वार किससे बने हैं?

जे. सोना

1704 में। भगवान राम ने क्या कहा?

जे. उन्होंने कहा, "उसे मारने का समय आ गया है। मुझे आशा है कि आप सफल होंगे। "सुग्रीव ने आश्चर्य व्यक्त किया।

1705 .में। सुग्रीव के संदेह को देखकर राम ने क्या कहा?

जे. "सुग्रीवा! इस बार याद रखने में कोई गलती नहीं होगी। क्योंकि तुम्हारी गर्दन की अंगूठी मुझे बताती है कि मैं साग्रीव हूं। मैं तुम्हें एक गोली से मार दूंगा। आप शांत रहें। अगर तुम इस बार मुझसे दूर भाग जाते हो, तो मुझे शाप दो। "उन्होंने कहा।

अमरनाथ अमर

# *Shrimad Ramayanm -*

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1706 में। वली कहाँ था जब सुग्रीव ने उसे युद्ध के लिए बुलाया था?

जे. वह अपनी पत्नी के साथ मंदिर में थे।

1707 में। कौन है पत्नी? जे. तारा

1708 में। वह किसकी बेटी है? जे. सुज़ाना की बेटी

1709. किसने कहा कि हमें युद्ध में नहीं जाना चाहिए? जे. तारा

1710 में। तारे के बारे में क्या?

जे. "नैना! आपको गुस्सा होने की जरूरत नहीं है। चिंता करना बंद करें और शांति से सोचें। क्या आप अब लड़ना चाहते हैं? हम इसे कल कर सकते हैं! आपका दुश्मन कहीं नहीं जा रहा है। लेकिन यह युद्ध नहीं था। वह केवल एक ही है! मैं अभी युद्ध में नहीं जाना चाहता। "उसने कहा।

1711. युद्ध में न जाने का क्या कारण था?

जे. "कृपया मेरी बात ध्यान से सुनें। कुछ दिन पहले सुग्रीव ने आपसे लड़ाई की और उसकी हत्या कर दी गई। घावों के ठीक होने से पहले, वह आपको युद्ध में वापस आमंत्रित करता है... मुझे हर तरह के संदेह हैं। आज उनकी आवाज़ में एक आत्मविश्वास की भावना है जो पहले कभी नहीं थी। मुझे पता है कि सुग्रीव के साथ एक महाबलशाली भी था। वह आपको पूरी तरह से जांच करने और यह तय करने के बाद ही युद्ध में आमंत्रित करता है कि वह निश्चित रूप से जीतेगा। "उन्होंने कहा।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1712. में। राम लक्ष्मण के साथ सुग्रीव की दोस्ती के बारे में स्टार को किसने सूचित किया? जे. अंगद

1713. अंगद कौन है? जे. एक तारे का बेटा।

1714. आपने क्या माँगा? जे. "नैना! मैं आपको हाथ जोड़कर सलाम करता हूं, मेरे बारे में अन्यथा मत सोचिए। कृपया मेरे शब्दों को सुनें। क्या वह विदेशी है? नहीं है न? वह तुम्हारे साथ पैदा हुआ था। वे दोनों मां हैं। तुम्हारे लिए भाई। सुग्रीव न केवल गुणी हैं, बल्कि आपके प्रति आज्ञाकारी भी हैं। उसके ऊपर कोई नहीं है। क्रोध के बारे में सोचना बंद करें। आपको सब समझ में आ जाएगा। जो हुआ वही हुआ। जो हुआ उसे भूल जाओ। उसे राजा बनाएँ। उसे राजकुमार बनाएँ और आप भी राम से दोस्ती की उम्मीद करते हैं। तब सब ठीक हो जाएगा। 'यही तो है।

1715. आपने क्या सुना?

जे. "यह नहीं होगा। सब कुछ ठीक होने की संभावना नहीं है। इस धरती पर मैं अकेला ही होना चाहिए। हम होंगे ", उन्होंने कहा।

1716 में। उन्होंने स्टार से क्या कहा?

जे. "आप नहीं जानते! मैं उसके रोने की आवाज नहीं सुन सकता, इसलिए मैं उसे दंडित करने जा रहा हूं। मैं स्टार हूँ! लड़ाई मेरी जिंदगी है। मुझे खुशी है कि मैंने युद्ध में भाग लिया! शर्म से जीने से मर जाना बेहतर है। "वली ने कहा।

उन्होंने चार कदम उठाए। अवरुद्ध कर दिया।

### 1717. तारे के बारे में क्या?

जे. वह हाथ जोड़कर रोया। "क्या कमाल की बात है भाई! आपने अपना खून बांटा है। अगर आप खुद को मारते हैं, तो इसके बारे में सोचें।

### 1718. उसने तुमसे क्या कहा?

जे. "ठीक है! मैं सिर्फ तुम्हारे लिए तुम्हें नहीं मारूंगा। मैं वचन देता हूँ। मैं नहीं भूलूंगा। इस सलाह के साथ, मैं इसे अच्छी तरह से समझाऊंगा। "वली ने कहा।

### 1719. उन्होंने भगवान राम के बारे में क्या कहा?

जे. उन्होंने कहा, "भगवान राम महान हैं। आप शब्द पर खड़े हैं। आपने अपने पिता के वचन के लिए राज्य का त्याग किया है। अगर मैं ऐसे भगवान से लड़ता हूं, तो तुम मुझे क्यों नहीं मारते? शक्तिस्तीर और रघुवीरा अधर्म नहीं करते हैं। इससे डरें नहीं। "वली ने कहा।

### 1720. उसने क्या देखा?

जे. वह फूट-फूटकर रो पड़ी। वली बड़े-बड़े अंगों के साथ शहर के द्वार तक पहुँच गया। उसने सामने खड़े आदमी को देखा। यह चमकता है। वह सोने में है। वह बहादुर है। वह हैरान रह गए। ये कलाकार कहाँ हैं? क्या राम की मिलता ऐसी प्रतिभा लाती है? उसने सोचा।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

**1721. में। वली ने सुग्रीव के साथ क्या किया?**

जे. "सुग्रीवा! हिम्मत रखिए। मैं अपनी मुट्ठी से तुम्हारा सिर तोड़ दूंगा। उसने उस पर हमला कर दिया।

**1722. वली सुग्रीव ने कैसे लड़ाई की?**

जे. सुग्रीव ने उसके हमले का सामना किया। उन्हें एक मजबूत चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने भाई को भी गले लगा लिया। महासुर और सुग्रीव ने सूर्य और चंद्रमा की तरह युद्ध किया। हाथों और पैरों से नहीं, बल्कि पेड़ों और पत्थरों से। शक्ति बढ़ेगी - बिजली चली गई। सुग्रीव चोटों को सहन करने में असमर्थ था। राम देख रहा है।

**1723. में। राम ने वली पर गोली कैसे चलाई?**

जे. उसने एक पेड़ गिरा दिया। उसने गोली चलने की आवाज सुनी। वह उसके सामने खड़ा था। उसने उसकी गर्दन की ओर देखा। उसने मुझे अपने कान के पास खींचा और जाने दिया। भेड़ा हीरे की तरह तेज आवाज में उड़ रहा था। तेजी से यात्रा की। वह आगे बढ़ा और अपनी छाती थपथपाई। वह गिरे हुए पेड़ की तरह जमीन पर गिर गया।

**1724. में। उन्होंने अपने दिल में क्या महसूस किया?**

जे. उसे एक गोली से किसने मारा? मैं उसे देखना चाहता था। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। वली का इरादा देखकर, राम पेड़ से भाग गए और लक्ष्मण के साथ वली के पास गए।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

### 1725. में। राम ने क्या माँगा?

जे. "हे राम! आप सबसे अच्छे परिवार में पैदा हुए थे। राजकुमार। मुफ्त उपहार ज्ञात हैं। प्रसिद्ध हैं। आप... तुमने यह अपराध क्यों किया? अगर मैं सुग्रीव का सामना करता हूं, तो क्या आपके लिए मेरा सिर काटना सही है? "उन्होंने पूछा।

### 1726. राम के बारे में क्या?

जे. "मेरी पत्नी ने मुझे बताया! फिर भी मैंने नहीं सुना। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि राम, जो अपने वचन पर खड़े हैं, राम, धर्म के अवतार, राम, दयालु राम, इतने कठोर व्यवहार करेंगे। "वली ने कहा।

### 1727. उन्होंने राम के बारे में क्या कहा?

जे. "हे राम! सुग्रीव मेरा भाई है। वह मेरी मृत्यु के बाद इस राज्य पर शासन करने में सक्षम होगा। वह मुझे मारना चाहता था। कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन तुम मुझे मारना गलत हो। क्षमा भी करें। तुमने मुझे क्यों मारा? इससे आपको क्या मिलता है? "वली ने पूछा।

### 1728. में। उन्होंने राम के बारे में क्या कहा?

जे. "हे राम! मैं तुम्हारा चेहरा नहीं जानता। तुम मेरा चेहरा नहीं जानते। मैंने तुम्हारे लिए कुछ नहीं किया। तुमने मुझे जंगल में क्यों मारा? राजाओं को धर्मी नहीं, बल्कि अधर्मी होना चाहिए। आप दुविधा में हैं। आप दस्ताने पहन रहे हैं। यह आपका रूप नहीं है।

"वली ने कहा। राम रुक गया। "अगर आप काफी बहादुर हैं, तो खड़े हो जाओ और मुझसे लड़ो। पेड़ काटना कोई अपराध नहीं है। नहीं", उन्होंने कहा। सांस नहीं ले पा रहे हैं। राम ने एक गहरी सांस ली।

1729. वली ने सुग्रीव के साथ अपनी दोस्ती के बारे में राम से क्या कहा?

जे. "हे राम! मुझे सब पता है। आपने सीता के लिए सुग्रीव के साथ दोस्ती की। इसी वजह से तुमने मुझे मार डाला। अगर आपने मुझसे संपर्क किया होता और मुझसे दोस्ती की होती, तो आप उस रावण को गले से घसीटते, जिसने आपकी सीता का अपहरण किया था। यह आपके पैरों पर है। मुझे नहीं पता", उसने कहा।

1730 में। वली ने राम को अपनी शक्ति के बारे में क्या कहा?

जे. "तुम मुझे नहीं जानते! वह रावण आपकी सीता को समुद्र की दुनिया और राक्षसों की दुनिया में जहाँ कहीं भी छिपा हुआ था, वहाँ एक साथ लाता था, और उसे आपके सामने खड़ा करता था। उन्होंने कहा कि मुझे यह मौका नहीं मिला।

1731 में। वली रामूनी ने उस पर तीर चलाने के बारे में क्या कहा?

जे. "हे राम! हर बच्चे का जन्म होना चाहिए! गलत नहीं है। मुझे मृत्यु का भय नहीं है। दर्द नहीं होता। यदि नहीं, तो आपने ग्रामीणों के व्यवहार से अलग व्यवहार किया है, जो मुझे समझ में नहीं आता। मैं आप से निर्दोष हूँ।

अमरनाथ अमर

तुमने मुझे क्यों मारा? आपको क्यों मारा गया? "वली ने पूछा।
इन सवालों के जवाबः

**1732. उन्होंने राम से सबसे पहले क्या कहा था?**

जे. "वाह! तुम मुझे दोष दे रहे हो। आप निर्दोष नहीं हैं। मैं आपको बताऊंगा कि मैंने आपको क्यों मारा। एक माँ, एक बेटी, एक बहन, तीनों। सजा उन लोगों को मारना है जो शास्त्र के अनुसार धार्मिकता से भटक गए हैं। आप धार्मिक नहीं हैं। तुम पागल हो।"

**1733 राम ने सुग्रीव की पत्नी के बारे में वली से क्या कहा?**

"जब बेटे जैसा भाई सुग्रीव जीवित था, उसकी पत्नी रूमा को मार दिया गया था। यह अपराध है। यही कारण है कि मैंने तुम्हें दंडित किया। "उसने आँखें बंद करके देखा।

**1734. राम ने अपने परिवार के बारे में क्या कहा?**

जे. "आपको क्या लगता है कि आप मुझे कहाँ सजा दे सकते हैं? सभी पहाड़, सभी नदियाँ, सभी महासागर, यह सारी भूमि शुरू से ही इक्षुओं की है! यह सब उनके नियंत्रण में है! यही कारण है कि आप, इस क्षेत्र के शासक, स्वतंत्र नहीं हैं, बल्कि इश्वाकु कबीले के हम सभी के एक जागीरदार हैं। "उन्होंने कहा।

**1735. में। राम ने वली से भरत के बारे में क्या कहा?**

"अब भारत इस भूमि पर शासन कर रहा है। उनकी आज्ञा के

अनुसार मैंने इस पृथ्वी पर बुराई और बुराई लाने का बीड़ा उठाया है। आपने सुग्रीव की शक्ति और धन पर कब्जा कर लिया है। वह अपने कपड़े पहनकर चला गया। उनकी पत्नी के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया था। इसलिए मैंने तुम्हें मौत की सजा सुनाई। "राम ने कहा। वह रो पड़ा।

1736. राम ने इस बारे में क्या कहा?

जे. "राजाओं को दोषियों को दंडित क्यों करना चाहिए, मैं मनु के शब्दों में कहता हूं, सुनो। जिन्हें राजा अपनी गलतियों के लिए दंडित करता है, वे नरक तक लड़ेंगे। सर्वश्रेष्ठ तक पहुँचें। यदि राजा दोषी को ठीक से दंडित नहीं करता है, तो उसे दोषी द्वारा किए गए पाप को सहन करना होगा। यह राज्य के लिए खतरा है। यही कारण है कि मैंने तुम्हें दंडित किया। "राम ने कहा।

1737 में। राम ने वली को सुग्रीव के साथ अपनी दोस्ती के बारे में क्या बताया?

जे. "वाह! एक और कारण है कि मैं आपको जज कर रहा हूँ। जब सुग्रीव और मेरी अग्नि से दोस्ती हुई, तो मैंने उससे वादा किया कि मैं तुम्हें मार दूंगा। मैं ऐसा नहीं कह सकता। यही कारण है कि मैंने तुम्हें दंडित किया। "उन्होंने कहा।

1738 .में। राम ने वली से जानवरों के शिकार के बारे में क्या कहा?

"यदि आप मानव जाति के हैं, और यदि आप पांच उंगलियों वाले

जानवर हैं, और यदि मानव जाति के फव्वारे आप पर लागू नहीं होते हैं। ... शिकारियों के जानवरों का शिकार करने के अलग-अलग तरीके हैं। लहरें लहराती हैं। गड्ढों को खोदा जाता है और घास से ढक दिया जाता है ताकि वे दिखाई न दें। जानवर चाहे खड़े हों या भाग रहे हों, उन्हें मार दिया जाता है। शिकार का यही स्वभाव है। शिकार एक धर्म है। उस धार्मिकता के साथ, चाहे तुम मुझसे लड़ो या न लड़ो, मैंने तुम्हें एक जानवर के रूप में मार डाला है। इसमें मेरा कोई दोष नहीं है। कोई और पाप नहीं है। "राम ने कहा।

1739. में। वली ने उसके साथ जो किया था, उसके बारे में राम ने क्या कहा?

जे. "वाह! यदि कोई रोगी अल्सर से पीड़ित है, तो मैंने, राजा के रूप में, आपको अपने दादा की धार्मिकता के अनुसार दंडित किया है, जैसे एक डॉक्टर एक ऑपरेशन के बाद अल्सर को हटा देता है। फिर भी, यह मेरी गलती नहीं है। अगर आप फिर भी मुझे दोष देते हैं, तो यह आपकी गलती है! "राम ने कहा।

1740. में। उसने राम से क्या कहा?

जे. "हे राम! यह सब सच है! मैं दोषी हूँ, मैं इसे स्वीकार करता हूँ। अगर नहीं, तो आप मुझे आग लगा देंगे! मैंने कहा कि मैं दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैंने उसे दोषी ठहराया। इसके लिए मुझे क्षमा करें। मैं मरने से नहीं डरता। "उन्होंने कहा।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

**1741. उनकी मृत्यु के समय कौन पीड़ित था?**

जे. उन्हें अपने बेटे की चिंता थी।

**1742. में। उन्होंने राम के बारे में क्या कहा?**

जे. मैं अपनी प्यारी पत्नी तारा के बारे में ज्यादा चिंतित नहीं हूं। यह मेरा बच्चा है! यह सब मेरा दर्द है। "रामू ने पूछा। "वह सिर्फ एक बेटा है। मैं बहुत तेजी से बड़ा हुआ। उसे नहीं पता था कि मैं इतनी अचानक मर गया था। आपको एक माँ और एक पिता की आवश्यकता है। चाहे पानी हो या दूध, यह आपकी जिम्मेदारी है। "वली ने कहा।

**1743 में। उसने क्या माँगा?**

जे. "प्रिय भाइयों और बहनों! तारा... मेरा बड़ा भाई बहुत अच्छा है। बढ़िया स्वास्थ्य। आपको उसे नुकसान से बचाना होगा। "उन्होंने कहा।

**1744. में। राम ने क्या कहा?**

जे. 'हे राजा! अपने बेटे की चिंता मत करो। सुग्रीव और मैं उन्हें अपने बेटे के रूप में मानते हैं, और हम लगातार उनकी भलाई चाहते हैं। जो हुआ वही हुआ। अतीत के बारे में मत सोचिए। आपको अपने पापों के लिए दंडित किया गया है। यह खत्म हो गया है। शुद्ध मन से भगवान के रूप में स्वर्ग को सजाएं। "राम ने कहा।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1745 में। राम ने क्या कहा?

"हे राम! मेरा गुस्सा भड़क उठा और मैंने तुमसे कहा, 'मुझे खेद है, क्योंकि तुमने मुझे तीर से मार डाला है। "उन्होंने कहा।

1746. जब राम ने वली पर तीर मारा तो वानर क्यों भाग गए?

जे. राम को धनुष पहने और कालम की तरह खड़े देखकर सभी वानर भाग गए।

1747. में। भागने वाले बंदरों को किसने देखा है? जे. तारा

1748. में। कौन से सवाल पूछे गए?

जे. "अरे यार! आप हमेशा अपने राजा के साथ रहे हैं। अब तुम क्यों भाग रहे हो? सुग्रीव ने राज्य के लिए राम की मदद से वलीना को मार डाला। तुम क्यों भाग रहे हो, चिंता मत करो मेरे साथ आओ। "तारा ने पूछा।

1749 में। वानरों ने तारा से क्या कहा?

जवाबः अरे यार! पहले तुम अपने बेटे अंगद को बचाओ, नहीं तो राम अंगद को भी मार डालेंगे। वह इसे बिना किसी बाधा के करता है। जब राम ने वली को मार डाला, तो हम सभी भाग गए। अम्मा! आप राजा हैं। हम सभी ऐसे सेवा करते हैं जैसे कि हम अंगद और वली की सेवा कर रहे हों। "उन्होंने कहा।

1750. कुछ अन्य लोगों ने स्टार को क्या सलाह दी?

"अ! तुम्हारा यहाँ होना ठीक नहीं है। सुग्रीव और उनके मंत्री शाही

दरगाहों पर कब्जा कर रहे हैं। अब तक हमने सुग्रीव और उनके मंत्रियों को बहुत सारी कठिनाइयाँ दी हैं। अब उनके पास हमसे मिलने का मौका है। तो आप इसके साथ भाग जाते हैं। "उन्होंने सलाह दी।

**1751. बंदरों ने क्या कहा?**

जवाबः अरे यार! जब मेरे पति, जो मेरा सब कुछ हैं, चले जाते हैं, तो मुझे इस राज्य के साथ, अपने बेटे के साथ, इस शरीर के साथ काम करना पड़ता है। मुझे अपने पति के पास जाना है। मेरे पति कहाँ हैं और उनकी स्थिति क्या है? "उन्होंने पूछा।

**1752. में। जब तारा ने वली को देखा तो उसने क्या किया?**

"एक कमीने का बेटा! उठो, मैं तुम्हारे घर आया हूँ। उठो "।

**1753. में क्या हुआ था?**

"भगवान, आप इस धरती पर गिर गए हैं, जहाँ कई नायक गिर गए हैं। क्या मैंने सारी आशा खो दी है? मैं किसके लिए जीना चाहता हूँ? क्या उम्मीद है? देखो, देखो! अपने प्रिय पर एक नज़र डालें! वह अपनी आँखों से तुम्हारे लिए रोता है। प्रभु कौन है? अपनी आँखें खोलें। "तारा रो पड़ी।

**1754. में। जब सुग्रीव ने तारा देखा तो उन्होंने क्या सोचा?**

उसने सिर हिलाया और सिर हिलाया। उसके चेहरे पर खून लगा हुआ था। कार्रवाई के लिए तैयार। वह उसे देखकर सह नहीं पा रही थी। इस पर वह रो पड़े।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1755. प्रवेश के लिए तैयार तारे को किसने रोका? ए. हनुमंत

1756 में। हनुमान ने तारा से क्या कहा?

"मां! आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। तुम्हारे पिता कोई साधारण व्यक्ति नहीं हैं। भगवान ने दुनिया के धर्म को लाखों बंदरों के सामने नमन किया। स्वर्ग चमकने वाला है। दुखी न हों। हमने जो कर्म किए हैं, उसके अनुसार परिणाम आएंगे। हर किसी को किसी न किसी समय जाना पड़ता है, इसलिए जो चला गया है उसके बारे में सोचने के बजाय उस व्यक्ति के बारे में सोचें जो जीवित है। प्रत्येक प्राणी जो पैदा होता है उसे मर जाना चाहिए। इसलिए मृतकों के बारे में मत सोचिए, बल्कि अपने शेष जीवन के लिए शुभकामनाएं दीजिए। सुग्रीव को आगे की गतिविधियाँ करने दें। "उन्होंने कहा।

1757 .में। आपने क्या सुना?

जे. "मेरे पास क्या अनुमति है? जिसे अनुमति देनी है वह सुग्रीव है। यह खत्म हो गया है! मेरा भगवान टूट गया है। 'यही तो है। खून से लथपथ। "मेरे भगवान अंगद जैसे सौ बेटों से भी बड़े हैं। वह उसके साथ मरकर खुश होता है। अपने आप को सहयोग करने दें।

मैं जा रहा हूँ। 'यही तो है।

नोटः कोई भी इसका पता लगाने में सक्षम नहीं है। वह उसे सांत्वना भी नहीं दे सका। यह तारा ही थी जिसने उससे अनुरोध किया था कि अगर वह वली के अंतिम संस्कार की अनुमति देना चाहता है तो उसे

उसके साथ जाने की अनुमति दें। ऐसा लग रहा था कि उसके शब्द घाटी से आ रहे हैं, और उसने अपनी सारी ताकत इकट्ठा कर ली। उन्होंने आँखें खोलीं।

1758. वली ने सुग्रीव के साथ क्या किया?

जे. "माफ करना साहब! मुझे माफ़ कर दो "। चाची ", उसने कहा। "यह सब नियति है। यही कारण है कि हम एक साथ नहीं रह सकते। जो हुआ वह हो चुका है। मैं अपने पीछे अपना जीवन, अपना राज्य और अपनी प्रसिद्धि छोड़ रहा हूं जो हर कदम पर फैली हुई है। मैं केवल आपके लिए प्रार्थना कर रहा हूँ! नहीं ", उन्होंने कहा।

1759 .में। उन्होंने सुग्रीव के बारे में क्या कहा?

जे. "देखो, वह कितना रो रहा है! माफ़ कीजिए! बच्चा। बच्चा बुद्धिमान है। मेरे पास अपने जीवन से अधिक है। इसलिए... आपको अपनी देखभाल खुद करनी होगी। उम्र में छोटा होने के बावजूद, वह गति में आपके बराबर है। "वली ने कहा।

1760. में। उन्होंने सुग्रीव के बारे में क्या कहा?

जे. "क्या तुमने देखा कि वह कैसे रोती है? वह उनकी बेटी है। लंबा दृश्य वह वही है जो समझता है कि क्या होने वाला है। वह एक शब्द भी नहीं बोली। वह जो कहती है उसे करो और खुश रहो। "वली ने कहा।

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



1761 में। वली ने अपनी गर्दन की झुमके किसे दीं?

जे. उन्होंने इसे सुग्रीव को दे दिया।

1762 में। आप क्या रोते हुए देखते हैं?

जे. "नैना! समय-समय पर देश की परिस्थितियों को समझें, सुख-दुःख के आगे न झुकें, बल्कि सुग्रीव के नियंत्रण में रहें। "पिता", उसने कहा। "अंगद! न तो दोस्ती और न ही दुश्मनी किसी के खिलाफ काम कर सकती है। सब कुछ संयम में होना चाहिए। राजा एक राजा है। आपको बस उसके साथ वैसा ही व्यवहार करना है जैसा आप चाहते हैं कि आपके साथ किया जाए। मेरे जैसे मत बनो। अगर ऐसा है तो यह जोखिम भरा है। अपने दोस्तों या दुश्मनों को न लाएं। उनके साथ आपका रिश्ता खतरनाक है। कभी भी कानून की अवज्ञा न करें। आपको जो करने के लिए कहा जाता है उसे करें और हमेशा के लिए जीवित रहें।

1763. में। उसकी मृत्यु कब हुई?

जे. उसने सिर हिलाया जैसे कि वह चिल्ला रहा हो। उनका हाथ बिना सिर छुए हवा में ऊपर चला गया। वह जोर-जोर से चिल्लाया। वह मुड़ गया। उसने आंखें मूंद लीं। उसने मुँह खोल दिया।

1764. आप क्या देखते हैं?

जे. "महाराज! मेरे महाराज! मुझे देखो ", उसने कहा। "मेरा पुत्र, मेरा उद्धारकर्ता, मेरा प्रभु, मेरा परमेश्वर, मुझसे दूर चला गया है।

मैं विधवा हो गई। नाना! इस तीर को देखो, अपने मृत शरीर को गले नहीं लगा पाने से कितना दर्द होता है। 'यही तो है।

1765. वली के शरीर से तीर किसने निकाला? जे. पानी।

1766. में। तारे के बारे में क्या?

जे. तुम्हारे पिता ने अपने क्रोध और मृत्यु में पाप किया है। दिखाई नहीं दे रहा है आखिरी बार के लिए। "वह अपने पिता के चरणों में रो रहा था।

1767. में। जब उसने अपने पिता को देखा तो उसने क्या कहा?

जे. पिता जी! मैं ही हूँ! धन्य है तुम्हारा बेटा, पिता! कृपया आशीर्वाद दें"। "आँटी! आपका बेटा, जो आपसे प्यार करता है, आपको आशीर्वाद देगा। आपको आशीर्वाद दें। ले! हे भगवान, हे भगवान..."

1768. सुग्रीव ने तारा और अंगद की स्थिति देखकर क्या किया?

जे. वह खुद को इस दुखद दृश्य और आंसुओं के इस सागर का कारण मानते थे। वह दंग रह गया। वह राम के पास गया और रोया।

1769 में। भगवान राम ने क्या कहा?

जे. "हे राम! आपने अपना वादा पूरा किया है। आपने मुझे राज्य दिया है। लेकिन यह मेरा देश नहीं है! यह राज्य नहीं है, यह जीवन है। बार-बार, मैंने अपने भाई की मृत्यु की आशा की थी, लेकिन यह मृत्यु मुझे अभी भी परेशान करती है। मैं ही हूँ जिसने मदद की।

यह पाप दूर नहीं होगा ", सुग्रीव ने अपने हाथों में अपना चेहरा छिपा लिया। वह रो पड़ा।

1770 में। सुग्रीव ने अपनी पीड़ा कैसे व्यक्त की?

जे. अगर मैं तलवार से युद्ध करने जाता, तो वह मुझे मारता और मुझे एक और घूंसे से मारता और मैं मर जाता, और वह कहता, 'यह फिर से करो, जाओ,' लेकिन वह मुझे नहीं मारता। मैंने कभी किसी बच्चे को नहीं मारा। वली ने मुझे हर समय यह कहते हुए छोड़ दिया कि मैं मर जाऊंगा, लेकिन मैंने वली को मार डाला। जब मैंने आपको वली को मारने के लिए कहा था तो मुझे इस दर्द का पता नहीं था, लेकिन मुझे यह तब पता चलेगा जब मैं मर जाऊंगा। इसलिए मुझे यह देश नहीं चाहिए।

उसने एक बड़े पेड़ की डाल तोड़ दी, मुझे उससे मारा, और अगर मैं चोटों को सहन नहीं कर सका, तो वह कहता, 'इस तरह की गलत चीजें फिर कभी मत करो, जाओ।' मेरा भाई कहाँ से आता है? मैं और नहीं जाऊंगा, मैं आग में चला जाऊंगा। राम! अन्य लोग आपकी खोज में आपकी मदद करेंगे।

राम का क्या हुआ जब उन्हें पता चला कि यह राम ही थे जिन्होंने

1771. में वली को मारा था?

"हे राम! आप धार्मिक नहीं हैं। इसलिए मैंने हाथ उठाए। क्षमा पृथ्वी से बड़ी है। इसलिए मैं आपको बधाई देता हूं।

मुझे थोड़ी मदद दीजिए। "उसने कहा।

1772. में। तारा ने राम से क्या पूछा?

"चिंता मत करो! मैं आपसे अपने पति को बचाने के लिए नहीं कह रही हूं। अगर नहीं, तो मैं आपसे विनती करता हूं कि मुझे उसी तीर से मार दें, जिससे आपने मेरे पति को मारा था। मुझे उसके पास ले जाओ! इसमें मेरी सहायता करो! आपके जन्म के लिए मैं आपका ऋणी हूं। 'यही तो है।

1773. में। तारा ने राम को समझाने के लिए कौन से शब्द बोले?

जवाबः हां! क्या मुझे मारना पाप है? एक महिला की तरह महसूस न करें। 'यही तो है। राम घुटनों पर गिर पड़े।

1774. में। राम ने तारा को कैसे सांत्वना दी?

'अम्मा! आपको, बहादुर पत्नी को, अपने पति की मृत्यु पर प्रसन्न होना चाहिए, लेकिन आपको शोक नहीं मनाना चाहिए। निर्माता के आदेश के अनुसार, ये मृत हैं। उस खुशी का इंतजार है। "क्या शब्द है! राम ने कहा।

1775. में। राम ने सितारों से क्या कहा?

ए. शोक में बैठने से मृतक को सौभाग्य नहीं मिलता है। उत्सव के लिए तैयार हो जाओ! न कोई शत्रु है और न कोई शत्रु। विज्ञान के अनुसार अनुष्ठान की व्यवस्थाओं को देखें। "उन्होंने कहा।

समय की प्रकृति के बारे में राम ने क्या कहा?

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

"ब्रह्मांड हर समय अनुसरण कर रहा है। समय सभी मानव गतिविधियों का स्रोत है। हर कोई समय के अधीन है। अगर नहीं तो बस इतना ही । जन्मदिन तय करने का समय नहीं है। दुनिया को समय के साथ आगे बढ़ना है। समय किसी के पक्ष में नहीं है। समय की कोई सीमा नहीं है। समय को कोई नहीं बदल सकता। समय को कोई नियंत्रित नहीं कर सकता। समय को कोई हरा नहीं सकता। "राम ने सुग्रीव को समय की प्रकृति के बारे में बताया।

राम के शब्दों को सुनने के बाद लक्ष्मण ने सुग्रीव से क्या कहा?

जवाबः अरे यार! क्या आपने सुना है कि उसने क्या कहा?

उन अनुष्ठानों और अनुष्ठानों के बारे में सोचें जिन्हें तुरंत किया जाना है। आपको जो लकड़ी और घास चाहिए, उसे साथ लेकर आएं। वह अपने पिता की मृत्यु को सहन नहीं कर सके। पालकी को जुलूस में ले जाने के लिए एक पालकी तैयार करें और इसे ले जाने के लिए मजबूत वाहक की व्यवस्था करें। यह सब जल्दी और बिना किसी देरी के किया जाना चाहिए। "उन्होंने कहा।

1778. पालकी को ले जाने के लिए मजबूत बंदरों को किसने तैयार किया? जे. तारुडू

1779. में। पालकी तैयार करने के बाद सुग्रीव ने क्या कहा?

ए. वली को सजाकर पालकी पर बिठाने के बाद अब हमें भाई वाली का काम करना है। आवश्यक प्रबंध करें।

कुछ बंदर पालकी के सामने चलते हैं और रत्नों को बिखेरते हैं। दुनिया के राजाओं के पास जो धन है, उसके साथ वली का अंतिम संस्कार करें। "उन्होंने कहा।

1780. में। उसने शव को कैसे देखा?

जे. "नैना! जब आप मरते हैं, तो आपके चेहरे की चमक कम नहीं होती है। भगवान राम, जिन्होंने आपको मार डाला, हम सभी को एक तीर से अनाथ कर दिया है। नाना! देखो, तुम्हारी सब पत्नियाँ तुम्हारे पीछे पीछे आई हैं। "तुम्हारे सब सेवक तुम्हारे चारों ओर विलाप करते हुए खड़े हैं, उनसे बात करो। "वह रो पड़ा।

1781 में। शव कौन ले गया? जे. सुग्रीव, अंगदा

1782 में। शव को किसने जलाया? जे. अंगद

1783 में। यह किस नदी में बह रही है? जे. विदा में

नोटः-अंतिम संस्कार पूरा होने के बाद, सुग्रीव अंगद को लेकर राम के पास गए।

1784 में। हनुमान ने सभी वानरों की उपस्थिति में राम से क्या कहा?

जे. "हे राम! आपकी दया के कारण सुग्रीव ने किष्किंधा पर कब्जा कर लिया है। देर क्यों की? लक्ष्मण के साथ किष्किंधा आओ और सुग्रीव का मुकुट पहनो। हम सब इसका आनंद लेंगे। "उन्होंने कहा।

1785 में। हनुमान के शब्दों पर राम का क्या जवाब था?

जे. "उपवास समाप्त किए बिना किसी भी गाँव या

गाँव में प्रवेश करना मेरे लिए अपराध है। इस वजह से मैं नहीं आ सका। सभी मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को समारोह में भाग लेना चाहिए। मैं आनंद लूंगा। जाओ, आओ। "उन्होंने कहा।

**1786 में। क्या कहा था भगवान राम ने?**

जे. "जैसे ही आप अभिषिक्त हों, अंगद को एक युवा राजा बनाएं और उसका सम्मान करें। और राज्य पर न्यायपूर्वक शासन करें। "राम ने कहा। सुग्रीव ने हाथ जोड़कर सिर झुकाया। "अब सीता की खोज के बारे में... इस बरसात के मौसम के चार महीने, जो श्रावण के महीने से शुरू होते हैं, और हमारे सभी प्रयास काम नहीं करते हैं, इसलिए एक राजा के रूप में इन चार महीनों का आनंद लें। आनंद लें "।

**1787. राम के शब्दों पर सुग्रीव का क्या जवाब था?**

"हे मेरे प्रभु! जैसा कि आप कहते हैं। "सुग्रीव ने कहा।

**1788 में। सुग्रीव को राम का क्या निर्देश था?**

ए. कार्तिक का महीना शुरू होने पर सीता की खोज और आक्रमण के लिए तैयार रहना चाहिए। यह बात याद रखिए "। ठीक है साहब। उन्होंने छुट्टी ले ली।

**1789. में सुग्रीव का राज्याभिषेक कैसे हुआ?**

किष्किंधा में सुग्रीव के राज्याभिषेक के लिए सब कुछ तैयार था।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

सोलह कुंवारियाँ चमार, सफ़ेद कपड़ा, फूल, दूध, सफ़ेद कपड़ा, चंदन, अक्षत, पुलिचर्मम, घी आदि जैसी शुभ वस्तुओं को पकड़े हुए ब्राह्मणों के साथ कपड़े, आभूषण और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ जाती थीं। सुग्रीव के साथ होमम किया गया। तब वे एक सोने के सिंहासन पर बैठे थे। नदियों का पानी और समुद्र का पानी। सुग्रीव राजा बने। जैसे ही वह राजा बना, सुग्रीव ने अंगद को राजकुमार घोषित कर दिया और उसका अभिषेक कर दिया। पूरे शहर को रंग बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया। सुग्रीव ने राम को उनके और अंग के राज्याभिषेक के बारे में सूचित किया, और हरम के सुखों से अभिभूत हो गए। स्टार वह सब भूल गया है जो समय द्वारा दिए गए अद्भुत उपचार के साथ हुआ था। वह दर्द से उबर गए।

नोटः तो सुग्रीव ने तारा और रूमाल के साथ एक आरामदायक और खुशहाल समय बिताया।

**1790. में। सुग्रीव और अंगद के राज्याभिषेक के बाद राम लक्ष्मण कहाँ पहुँचे?**

सुग्रीव अंगदुल के राज्याभिषेक के बाद, राम लक्ष्मण पम्पा नदी के तट पर प्रस्रवनम पर्वत पर पहुंचे।

**1791. रामलक्ष्मणों ने अपने निवास के रूप में किसे चुना?**

जे. उन्होंने पहाड़ पर एक बड़ी गुफा को अपने घर के रूप में चुना

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1792. राम ने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! यह हमारा घर है! हम यहाँ पूरे गर्मियों में रहे हैं। यहाँ के पास एक झील है जिसमें सुंदर कमल खिल रहे हैं। दूर से एक नदी बहती है। हम नदी में स्नान कर सकते हैं। यहाँ से किष्किंधा शहर दिखाई देता है। सुग्रीव, वानर राजा, अपनी पत्नी को वापस ले आता है और अपने रिश्तेदारों के साथ खुशी-खुशी रहता है। "उन्होंने कहा।

1793 में। राम अपने आप पर इतना क्रोधित क्यों हैं?

जे. पूर्व में पम्पा नदी ने राम को मुस्कुराती हुई सीता की याद दिला दी। उसे पक्षियों, तितलियों और तितलियों से प्यार है। अगर वे राम से चिपके हुए घूम रहे थे, तो सीता की कमी ने उन्हें और भी अधिक चोट पहुंचाई।

1794. में। लक्ष्मण ने राम से क्या कहा?

जे. उन्होंने कहा, "आप हीरो नहीं हैं। एक बहादुर आदमी को इस तरह से पीड़ित नहीं होना चाहिए। सब कुछ दुख के साथ नष्ट हो जाता है। आप भगवान में विश्वास करते हैं। आप सभी काम सही तरीके से करेंगे। हमेशा सही व्यवहार करें। अगर आप इस तरह से दुखी हैं, तो आप उस दुष्ट राक्षस को कैसे मारेंगे जिसने आपकी पत्नी का अपहरण किया था? इसलिए इस उदासी को छोड़ने का साहस करें और फिर आप अच्छी तरह से सोच पाएंगे। आप राक्षस को मार सकते हैं। राम! अगर आपको लगता है कि आप दुनिया को गोल कर सकते हैं

ऐसी ही एक कहानी है! इस बरसात के मौसम के अंत के बाद जैसे ही शरद ऋतु आती है बंदर नायकों के साथ राक्षसों की हत्या कर सकते हैं। मैं तुम से धार्मिकता की नहीं, परन्तु उस सामर्थ्य की बात करता हूँ जो तुम में है। "लक्ष्मण ने कहा।

1795. में। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! आपने मुझे नहीं बताया। आपने मुझे एक दोस्त के रूप में मेरे कर्तव्य की याद दिलाई। मैंने सारे दुख को छोड़ दिया। मैं बहादुर हूँ। मैं वसंत के आगमन का इंतजार कर रहा हूं। "उन्होंने कहा।

1796. जब लक्ष्मण ने राम के शब्द सुने तो उन्होंने क्या कहा?

जे. "हे राम! इसमें चार महीने और लगेंगे। सुग्रीव वानरों को सीता को खोजने के लिए भेजता है, जैसा कि उसने वादा किया था। दुश्मन होने वाला है। धैर्य रखें और अपने गुस्से को दूर रखें। आइए यहाँ इस गुफा में इन चार महीनों का आनंद लें। "उन्होंने कहा।

1797. में। राम ने बरसात के मौसम में आकाश से गिरने वाली बारिश की लकीरों को कैसे देखा?

जे. राम सीता की कलम से बहते आँसू देख सकते थे।

1798. बरसात के मौसम में जब राम ने प्रकृति को देखा तो उन्हें क्या लगा?

जे. उन्होंने कहा, "अयोध्या में भी सरयू नदी पूरे प्रवाह में बहती है। भरत ने अपने दैनिक अनुष्ठान भी पूरे कर लिए होंगे और

आषाढ़ के महीने में उपवास करना शुरू कर दिया होगा। अगर भरत अयोध्या में उपवास कर रहे होते, तो मैं यहां अपनी पत्नी को खोने का शोक मना रहा होता। "उसने सोचा।

1799. राम ने क्या किया?

जे. "आप कब आएंगे? भले ही इस बरसात के मौसम में बंदरों की तलाश में जाना संभव न हो! यही कारण है कि बारिश का मौसम खत्म होने के बाद सुग्रीव आता है, तो सीता को ढूंढना आसान होता है। "उसने सोचा।

1800 है। कश्मीर में क्या स्थिति है?

जे. बारिश कम हो गई है। कोई बादल या बादल नहीं हैं। आसमान साफ है। रात के लिए पर्याप्त! तेल रिस रहा है। कठिनाइयों और थकावट के बाद धन और आनंद आया है! सुग्रीव में उनके लिए बहुत स्नेह पैदा हो गया। वह उसमें डूब गया। उन्होंने राज्य के सभी मामलों को मंत्रियों को सौंपा और हरम में रहना जारी रखा।

1801 में। अच्छा सौदा किसे पसंद नहीं है?

जे. हनुमान जी के लिए

1802 में। हनुमान को सुग्रीव का व्यवहार क्यों पसंद नहीं आया?

जे. हनुमान को राम से सुग्रीव के वादे को नजरअंदाज करते हुए अपना समय बिताना पसंद नहीं था। वह एक बार सुग्रीव को इस वादे के बारे में याद दिलाना चाहता था।

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



**1803 में। हनुमान सुग्रीव के पास गए और सुग्रीव से क्या कहा?**

जे. 'हे राजा! आपको धन, सौभाग्य और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त है। आप इस खुशी को भूल रहे हैं। अपने दोस्त को मत भूलना। जल्द ही इसकी तैयारी शुरू कर दी जाएगी। मूर्खतापूर्ण। योग करते हैं। आपको चेतावनी देने की जरूरत नहीं है। मैं एक मंत्री के रूप में अपना कर्तव्य निभा रहा हूं। बरसात का मौसम खत्म हो चुका है। सर्दी का मौसम शुरू होने वाला है। देर न करें। तुरंत काम शुरू करें। "उन्होंने कहा।

**1804. भगवान हनुमान ने कहा कि एक राजा के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात क्या है?**

हनुमान ने सुग्रीव से कहा कि खजाना, सेना, उनके दोस्त और उनकी सरकार सबसे महत्वपूर्ण हैं।

हनुमान ने सुग्रीव से सीता की खोज के बारे में क्या कहा?

"हे राजा! जो किसी मित्र को दिए गए वादे को पूरा नहीं करता है, उसे सभी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अगर यह काम समय पर नहीं किया गया तो बाद में कितना भी काम किया जाए, कोई नतीजा नहीं निकलेगा। इसके अलावा, यह काम करेगा। हे राजा! राम के काम के लिए समय समाप्त हो रहा है। हालाँकि राम जानते हैं कि बारिश कम हो गई है, लेकिन उनके लिए आपको जल्दी करना अच्छा नहीं है, क्योंकि राम आपका इंतजार कर रहे हैं।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

तब तक जारी रखें जब तक कि राम न आएं और आपको आपके शब्दों की याद दिला दें। हे राजा! आप उन लोगों की मदद करेंगे जो आपकी मदद नहीं करते हैं, आप राम के मामले में इतनी देरी क्यों कर रहे हैं जिन्होंने आपकी मदद की? राम जो अपने मन में नहीं हैं, राम जो दर्द में हैं, आपके आने का इंतजार कर रहे हैं। बंदरों को तुरंत ले आओ। सीता की खोज में जाओ। "हनुमा ने कहा।

1806 में। हनुमान की बातें सुनकर सुग्रीव ने किसे बुलाया था?

जे. उसने पानी माँगा।

1807. में। प्रभु ने क्या आज्ञा दी?

जे. उन्होंने सभी दिशाओं से सभी वानरों को सीता की खोज में किष्किंधा आने का आदेश दिया।

1808. में। सुग्रीव ने वानरों को क्या करने का आदेश दिया था?

जे. "" "पंद्रह दिनों के भीतर सभी वानरों को किष्किंधा पहुंचना होगा, जिसके बाद मौत की सजा दी जाएगी।" "उसने आज्ञा दी।

1809. सुग्रीव ने हनुमंत और अंगद को क्या करने का आदेश दिया?

जे. हनुमान ने अंगद को कुछ वानर प्रमुखों से मिलने के लिए कहा।

1810. में। इन सब का ऑर्डर देने के बाद सुग्रीव कहाँ गया?

जे. वह मंदिर गया।

1811. में। राम सुग्रीव के आगमन के बारे में क्या सोचते थे?

जे. राम को चिंता है कि बारिश का मौसम खत्म होने पर

अमरनाथ अमर

सुग्रीव उनके पास नहीं आएगा।

1812 में। राम ने क्या किया?

जे. जैसे ही सुग्रीव अपनी पत्नी सीता से अपना वादा भूल गया, राम दुखी हो गए।

1813 में। राम सीता के बारे में क्या सोचते हैं?

जे. "वह अपने दिल में तरसता है कि उसे अपनी पत्नी को खोना पड़े, जो इस शरद ऋतु के फल-फूलों में सीता के साथ भी होनी चाहिए। अगर जीवित हैं तो सीता इन शरद ऋतु की रातों को कैसे बिता रही हैं। "राम ने कहा।

1814 में। जब लक्ष्मण ने राम को पीड़ित देखा तो उन्होंने क्या कहा?

जे. "राम, आपके लिए इस तरह से पीड़ित होने का कोई फायदा नहीं है क्योंकि यह आपकी मानसिक स्थिरता को नुकसान पहुंचाएगा। कोई भी काम तैयार नहीं किया जा सकता है, लेकिन आप उस काम पर ध्यान केंद्रित करने का साहस रखते हुए कोई भी काम तैयार कर सकते हैं जो आपके दिमाग को साफ करेगा और आपके दिल की चिंताओं को दूर करेगा! अगर हम साहसी हैं, तो भगवान हमारी मदद करेंगे। सबसे पहले, हमें यह सोचने की जरूरत है कि यह हमारी कितनी मदद कर सकता है। लक्ष्मण ने राम को अपने कर्तव्यों के बारे में सिखाया।

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

## 1815 में। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! मेरा मन हमेशा ऐसा ही है। मैं आपके शब्दों से साहस लूंगा। लक्ष्मण! बरसात का मौसम खत्म हो चुका है। शरद ऋतु आ गई है, आकाश साफ है और रात में चंद्रमा अपनी चमक से पूरी दुनिया को रोशन कर रहा है। "उन्होंने कहा।

## 1816 .में। राम ने लक्ष्मण को सुग्रीव के बारे में क्या बताया?

जे. "लक्ष्मण! राजाओं के लिए अपने दुश्मनों पर हमला करने का समय आ गया है। लेकिन वह मेरे पास क्यों नहीं आया? क्या आप पॉनी के लिए तैयार हैं? यह बात नहीं है। अगर मैं यहां सीता की मृत्यु का शोक मना रहा हूं, तो सुग्रीव वासना के सुख में डूबा हुआ है
वह जीवित है "।

## 1817. में। वह अपने बारे में क्या सोचता है?

जे. "यह राम एक अनाथ है जिसे उसके पिता ने राज्य से बाहर निकाल दिया था। रावण अपनी पत्नी को ले गया। अब मैं उसके पास जा रहा हूँ। सुग्रीव अपमानजनक है। ऐसा लगता है कि सुग्रीव मेरे साथ की गई वाचा को भूल गए हैं। "वह सोचता है।

## 1818 में। राम ने क्या कहा?

जे. "तुम तुरंत चले जाओ। शराब और शराब को भूल जाओ, और उस ऋषि से जोर से कहो जिसने हमें छोड़ दिया है। "उन्होंने कहा।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1819 में। राम ने लक्ष्मण को सुग्रीव को क्या बताने के लिए कहा था?

जे. विज्ञान कहता है कि जो कोई भी एक उपकार को भूल जाता है और उसे वापस कर देता है, वह एक आदमी है। जब किसी मनुष्य के मुँह से कोई वचन निकलता है, तो जो उस वचन का पालन करता है, वह मनुष्य कहलाता है। कुत्ते भी किसी व्यक्ति के शरीर के गिरने के बाद उसका शरीर नहीं खाना चाहते हैं, जिसने अपना काम पूरा कर लिया है और अपने दोस्तों की आवश्यकता के बिना अपना जीवन जी रहा है। अब सुग्रीव कृतज्ञता की भावना के साथ व्यवहार कर रहा है। सुग्रीव चाहते थे कि मैं अपने श्रोता की आवाज़ सुनने के लिए फिर से कुदाल पकड़े हुए तीरों की चमक देखूं। जब राम क्रोधित हुए और युद्ध के मैदान में खड़े हुए, तो ऐसा लगा कि सुग्रीव भूल गए कि राम का रूप क्या था। तो हे लक्ष्मण! एक बार जब आप किष्किंधा के पास जाते हैं और कहते हैं, 'सुग्रीव, क्या आप मेरे भाई का रूप देखना चाहते हैं जब वह क्रोधित हो जाता है और कुल्हाड़ी लेता है और तीर छोड़ देता है? "पूछिए।

1820.राम सुग्रीव से और क्या कह सकते थे?

ए. यह भी कहो कि मैंने कहा है, 'जिस रास्ते से वली गया है वह अभी तक बंद नहीं हुआ है।' उन्हें समझौते का पालन करने के लिए कहें। "नहीं तो हमारा भाई तुम्हें तुम्हारे भाई के रास्ते पर भेजने की तैयारी कर रहा है।" "उसे बताओ कि मैंने उस दिन एक ही तीर से धर्म-चूक

करने वाले को मार डाला था, और सुग्रीव आज धर्म-चूक करने वाले के लिए सभी को एक तीर के साथ भेजेगा।

1821 में। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "भाई! यह सज्जन अच्छे तरीके से व्यवहार नहीं कर रहा है। वे अपने कार्यों के परिणामों को नहीं जानते हैं। सुग्रीव का समय कट गया था क्योंकि वह बोलना भूल गया था। अनुबंध पर फिर से बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है। बेहतर होगा कि उसे उसके भाई के पास भेज दिया जाए। ऐसा व्यक्ति शासन करने के लिए अयोग्य है। उसे मत मारो। चलो शादी कर लेते हैं। अंगद सीता को खोजने में हमारी मदद करता है। "उन्होंने उत्साह से कहा।

1822. में। जब राम ने लक्ष्मण का क्रोध देखा तो उन्होंने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! क्या हम भी पाप करते हैं कि सुग्रीव ने पाप किया है? तुम सुग्रीवा को क्यों मार रहे हो? अपने मन से सोचें। क्रोध को छोड़ दें । सुग्रीव के साथ हमारा मैत्रीपूर्ण समझौता है। सुग्रीव गलत था। हमें भी उससे बात करनी चाहिए। इसलिए, यदि आप सुग्रीव से बात करने से पहले उनकी बात धीरे से नहीं सुनते हैं, तो आपको उचित रूप से दंडित किया जा सकता है। "उन्होंने कहा।

1823. में। किष्किंधा जाते समय लक्ष्मण किसके साथ खड़े थे?

जे. उन्होंने अपनी संपत्ति को बनाए रखा और यमधर्म के राजा की तरह खड़े रहे।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1824. में। किष्किंधा में बंदरों के सामने खड़े होकर लक्ष्मण क्या सोच रहे थे?

जे. लक्ष्मण ने दो बार सोचा कि सुग्रीव के जवाब के जवाब में उन्हें सुग्रीव से क्या बात करनी चाहिए।

1825 में। लक्ष्मण ने क्या किया?

जे. वे अपने हाथों में पेड़ों और पत्थरों की शाखाएँ पकड़े हुए लक्ष्मण के सामने खड़े थे।

1826 .में। लक्ष्मण ने क्या किया?

जे. लक्ष्मण बंदरों को देखकर हैरान रह गए। हर कोई डर गया और भाग गया।

1827. में। लक्ष्मण के आगमन के बारे में सुग्रीव को किसने सूचित किया?

जे. कुछ बंदर दौड़कर सुग्रीव के पास गए और उन्हें बताया कि लक्ष्मण आ गए हैं और गुस्से में गेट पर खड़े हैं।

1828 .में। सुग्रीव ने बंदरों की बातों पर ध्यान क्यों नहीं दिया?

जे. सुग्रीव, जो तारा के साथ वासना का आनंद ले रहा था, ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया।

1829.में। लक्ष्मण का क्रोध देखने वाले बंदर आपको क्या लगता है?

जे. यह सोचकर कि लक्ष्मण उन पर हमला करने आ रहे हैं, वे पत्थरों और पेड़ों की शाखाओं को पकड़े हुए दीवारों पर खड़े थे। जब लक्ष्मण

ने तीर का सामना किया, तो वे पत्थरों और पेड़ों से जवाब देने के लिए तैयार थे। लक्ष्मण वानरवीरों के प्रयासों को समझते थे। वह गुस्से में था। हालाँकि, उन्होंने अपने भाई राम के साथ अनादर का व्यवहार नहीं करने का फैसला किया।

1830 में। लक्ष्मण ने अपने करीबी वानरों में से किसे बुलाया था?

जे. शरीर का

1831 में। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "बेटा! जाओ और अपने चाचा सुग्रीवा को बताओ कि मैं आ गया हूँ।"उन्होंने कहा।

1832 में। अंगद के साथ सुग्रीव तक जाने वाले मंत्री कौन थे?

जे. प्रभावशाली, प्रभावशाली

1833. में। अंगद जब सुग्रीव के पास गए तो उन्होंने क्या किया?

जे. जैसे ही अंगद ने प्रवेश किया, सुग्रीव उनके चरणों में झुक गए। उन्होंने सुग्रीव को लक्ष्मण के आने की सूचना दी।

1834. में। उन्होंने अंगद की बातों पर ध्यान क्यों नहीं दिया?

जे. आदमी शराब का आदी था। वह सुन नहीं पा रहा था कि वह क्या कह रहा है।

1835 में। क्या कहा मंत्रियों ने?

जे. 'हे राजा! सुग्रीवा! आपको राम लक्ष्मण के आशीर्वाद से राज्य मिला, जो आपके मित्र थे, और लक्ष्मण आए और

अमरनाथ अमर

अपने धनुष के साथ द्वार पर खड़े हुए। लक्ष्मण आपके पास यह बताने आए थे कि राम आपको बताना चाहते हैं। लक्ष्मण ने अंगद को यह बताने के लिए भेजा कि वह आया है। लक्ष्मण बड़े क्रोध के साथ द्वार पर आपका इंतजार कर रहे हैं। तुरंत जाओ और लक्ष्मण से मिलो, उसके सामने झुक जाओ और उसके क्रोध को शांत करो, और उसे विनम्रता से कहो कि तुम राम के साथ किए गए समझौते के अनुसार उसकी मदद करोगे। अब यह आपका कर्तव्य है कि आप वही करें जो राम ने आपको भेजा है। "उन्होंने कहा।

1836 में। सुग्रीव कब नशे में था?

जे. लक्ष्मण के गुस्से में गेट पर खड़े होने का पता चलने पर सुग्रीव नशे में धुत हो गया।

1837. में। क्या कहा मंत्रियों ने?

जे. "अरे! लक्ष्मण को गुस्सा क्यों आता है?
मैं उससे बात नहीं कर सकता! कुछ भी गलत नहीं है! लक्ष्मण इतना क्रोधित क्यों है? मेरे कुछ दुश्मन लक्ष्मण को मेरे बारे में बुरी बातें बताते हैं। आप सभी सोचते हैं और तय करते हैं कि लक्ष्मण से कैसे बात करनी है। राम जैसा दोस्त मिलना मुश्किल है, तो मैं उसे क्यों छोड़ दूं? इस जन्म में भगवान राम ने मुझे जो मदद की है, वह अविस्मरणीय है। चाहे मैं कितना भी करूं, राम की मदद आपकी मदद से तुलनीय नहीं है। लेकिन छोटी-छोटी बातें भी किसी रिश्ते को

बर्बाद कर सकती हैं। यही कारण है कि मुझे डर लगता है। "सुग्रीव ने कहा।

1838 में। क्या कहा हनुमान जी ने?

जे. "सुग्रीवा! आपने अभी तक नहीं सीखा है। राम के मन में जो है वह प्रतिशोध का क्रोध नहीं है, उनके मन में जो है वह प्रेमपूर्ण क्रोध है। आप अपनी पत्नियों के साथ हैं, आपके पास राज्य है, आप समय बीतने का आनंद ले रहे हैं। लेकिन राम की कोई पत्नी नहीं है, कोई राज्य नहीं है, उन्होंने आप पर कृपा की है, उन्होंने आपको समय दिया है, वे शहर में आए बिना बाहर एक गुफा में सो रहे हैं। उन्होंने लंबे समय तक इंतजार किया लेकिन आपसे कोई मदद नहीं मिली। इसलिए दर्द को सुनना थोड़ा मुश्किल है। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको सुनने में कठिनाई हो रही है, ऐसा नहीं है कि आप ध्यान दें कि दूसरे व्यक्ति के लिए यह कितना कठिन है। 'राम मुझे इतना बताओ' मत सुनो क्योंकि तुम बहुत गलत हो। अब यदि लक्ष्मण क्रोध में बोलते हैं, तो तब तक क्रोधित न हों जब तक कि अंजलि उनकी बात न सुने।

1839 में। लक्ष्मण को किसने आमंत्रित किया?

जे. सुग्रीव के आदेश के अनुसार, अंगद और अन्य लोग तुरंत गए और लक्ष्मण को विनम्रता से अंदर आमंत्रित किया। लक्ष्मण ने किष्किंधा नगर में प्रवेश किया।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



1840 में। बंदरों ने लक्ष्मण का क्या किया?

जे. लक्ष्मण को देखकर सभी बंदरों ने श्रद्धा से सिर झुकाया। लक्ष्मण के चेहरे पर गुस्सा देखकर बंदर डर के मारे दूर खड़े हो गए।

1841 में। लक्ष्मण, जो शाही रास्ते पर जा रहे थे, ने किसके घर देखे?

जे. लक्ष्मण ने अंगद, मिंडु, द्विवेदी, गवायु, गवक्ष, गाजु, सराभा, विद्युनमाली, सम्पती, सूर्यक्ष, हनुमान, वीरबाहु, सुबाह, नलुडु, कुमुद, सुशेनु, थारू, जंबवन, दधीवक्ता, नीलू, सुपातल, सुनेत्रा और अन्य वानरवीरों के घर देखे।

1842 में। सुग्रीव की इमारत किसकी इमारत की तरह चमक रही है?

जे. यह भगवान की इमारत की तरह जल रहा है।

1843. में। सुग्रीव की इमारत किस चोटी की तरह चमक रही है?

जे. कैलाश पर्वत एक चोटी की तरह सफेद चमक रहा है।

1844. में। और वह भवन कौन चाहता है?

जे. कुछ बंदर हथियार पहने हुए हैं और लगातार इमारत की रखवाली कर रहे हैं।

1845. में। हरम में प्रवेश करने से पहले लक्ष्मण कितनी खिड़कियाँ पार करते हैं? जे. वह सात द्वारों से मंदिर में प्रवेश करता था।

1846. में। लक्ष्मण हरम के अंदर से कौन सी आवाज़ें सुनते हैं?

जे. अंदर से तरह-तरह की आवाज़ें आ रही हैं।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



1847. ई. जब लक्ष्मण ने हरम में किसे देखा, तो वह कुछ दूरी पर खड़ा था।

जे. सबसे सुंदर महिलाएं हरम के अंदर घूम रही थीं, इसलिए लक्ष्मण चले गए और कुछ दूरी पर खड़े हो गए।

1848. में। सुग्रीव को कैसे पता चला कि लक्ष्मण आ गए हैं?

जे. लक्ष्मण ने अपना पैसा उठाया और श्रोता को मार डाला। जब सुग्रीव ने यह आवाज सुनी, तो वह अपनी सीट से उठे और महसूस किया कि लक्ष्मण आ गए हैं।

1849 में। दूसरी तरफ कौन है? जे. तारा

1850. में। उसने तारा से क्या कहा?

जे. "प्यारी! तुम्हें पता होना चाहिए कि लक्ष्मण क्यों क्रोधित है। आपको जानने की जरूरत नहीं है, आपको बस उसे शांत करना है। "उन्होंने कहा। मैं? तारा हैरान रह गई। उसने सिर उठाया और आँखें चौड़ी कीं। "आपको डरने की जरूरत नहीं है। मुझे विश्वास है कि जब लक्ष्मण आपको देखेंगे तो उन्हें शांति मिलेगी। लक्ष्मण जानता है कि किसी के साथ भी कैसा व्यवहार करना है। आप उससे बात करते रहें, और मैं इस बीच मजबूत होकर वापस आऊंगी। "सुग्रीव ने कहा।

1851 में। लक्ष्मण ने अपना आपा कब खोया?

जे. जब सुग्रीव ने तारा को लक्ष्मण के पास जाने के लिए कहा,

तो तारा लक्ष्मण के पास आई। तारे को देखकर लक्ष्मण का गुस्सा शांत हो गया।

1852 में। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "हे राजा! आपके क्रोध का कारण क्या है? यह बात तुमसे किसने कही? वह कौन है जो आपकी आज्ञाओं का पालन करता है? "उसने उत्सुकता से पूछा।

1853. में। लक्ष्मण ने क्या जवाब दिया?

जे. "आप नहीं जानते कि आपकी पत्नी क्या कर रही है? आपके पति धर्म को छोड़कर वासना में अपना समय बिता रहे हैं।

वासना एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जिसका अनुभव एक राजा को करना पड़ता है। राजा को पहले मंत्रिपरिषद से परामर्श करना चाहिए और राज्य के मामलों का प्रबंधन करना चाहिए। क्या यह सब आपके पति कर रहे हैं? अब आपके पति का मन उनकी लगातार नशे की लत से परेशान था। इसलिए सुग्रीव, जो अपने भोजन के बीच में था, पुरुषों के अर्थ में भ्रष्ट था। "उन्होंने कहा।

1854 में। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "आप महान हैं। राजाओं को। राजाओं को दुष्टों को क्षमा करना चाहिए, लेकिन उन्हें क्रोधित नहीं होना चाहिए। मेरे भगवान की गलती पर राम का गुस्सा होना समझदारी की बात है। नहीं नहीं। यदि नहीं, तो कार्य पूरा हो जाएगा! महर्षि ने इस संबंध में गलती की।

# Shrimad Ramayanm -



## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

हम कितने हैं? बारिश... स्वाभाविक रूप से। जब चाची दुख और खुशी से थक गई थी, तो सुग्रीव को अनकही खुशी मिली। वह समय और स्थान भूल गया था। गलत! अन्यथा, वह सतर्क नहीं है। पंद्रह दिन पहले, सुग्रीव ने वानरसेन प्रमुखों को किष्किंधा की ओर कूच करने के लिए राजी किया था। वे सब कल यहाँ होंगे। यह झूठ नहीं है। 'यही तो है।

लक्ष्मण! आप विशेष रूप से यहाँ आते हैं और चिल्लाते हैं, लेकिन मुझे पता है कि अगर राम एक तीर चलाते हैं तो क्या प्रभाव पड़ेगा, मुझे पता है कि सुग्रीव ने कितना कीमती समय गंवाया है, मुझे पता है कि राम को इसके कारण कितना कष्ट हो रहा है। मुझे पता है कि इन तीन गलतियों को कैसे ठीक किया जाए। मुझे पता है कि मनमध के तीर कितने भयंकर होते हैं और वे कितनी जल्दी वासना में गिर जाते हैं मुझे पता है कि सुग्रीव इस तरह का है जिसे कामू के तीरों से मारा जाता है, और मुझे पता है कि सुग्रीव को जो मिलता है उससे वह खुश होता है। अपने शत्रुओं को मार डालो! इस बार सुग्रीव ने होश में आकर आत्मसमर्पण कर दिया। इसके अलावा, उसे राम से कोई नफरत नहीं है, इसलिए आपको उसे माफ कर देना चाहिए। तुम मंदिर आओ और सुग्रीव से बात करो। "उसने कहा।

जब लक्ष्मण ने सुग्रीव के मंदिर में प्रवेश किया तो सुग्रीव क्या कर रहे थे?सुग्रीव अपनी पत्नी रूमा के साथ सिंहासन पर बैठे थे।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -



## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

**1856. सुग्रीव की नज़रों में लक्ष्मण किस तरह के थे?**

सुग्रीव को धनुषधारी लक्ष्मण राक्षस यम के रूप में प्रकट हुआ।

**1857. में। लक्ष्मण को देखकर सुग्रीव ने क्या किया?**

सुग्रीव अपनी सीट से नीचे आया, और उसकी पत्नियाँ और अन्य महिलाएं उसके साथ खड़ी हो गईं।

जब लक्ष्मण ने सुग्रीव को महिलाओं के बीच खड़े देखा तो उन्होंने क्या कहा?

'चीनी! राजा को सबसे गुणी और सबसे गुणी होना चाहिए। व्यक्ति को इंद्रियों का विजेता होना चाहिए, जो यह नहीं भूलता कि उसने क्या किया है, जो शब्दों को छोटा नहीं करता है। दुनिया ऐसे राजा का सम्मान करती है। दुनिया एक ऐसे व्यक्ति को क्रूर कहती है जो एक दोस्त से मदद लेता है और अनुग्रह वापस नहीं करता है। "उन्होंने कहा।

**1859 .में। अगर वह ऐसा नहीं करेगा तो वह क्या पाप करेगा?**

जे. उसे सौ घोड़ों को मारने का पाप मिलता है।

**1860.में। यदि आप गाय दान नहीं करते हैं तो क्या होगा?**

जे. हजारों गायों को मारने का पाप संक्रामक है।

**1861 में। अगर आप अपने दोस्त से बात नहीं करते हैं तो क्या होगा?**

जे. वह उस व्यक्ति के समान है जिसने खुद को और अपने रिश्तेदारों को मार डाला। उसे कोई पछतावा नहीं है।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1862 में। भूल जाने वाले को आप क्या कहते हैं? जे. थैंक यू।

1863 में। भगवान ब्रह्मा ने कृतज्ञता के बारे में क्या कहा?

जे. "गाय को मारने वाले के लिए, शराब पीने वाले के लिए, चोरी करने वाले के लिए, उपवास छोड़ने वाले के लिए प्रायश्चित है, लेकिन जो भूल जाता है उसके लिए कोई प्रायश्चित नहीं है। "उन्होंने कहा।

1864 में। लक्ष्मण ने सुग्रीव पर क्या आरोप लगाया था?

जे. 'अरे यार! आप पहले भी अपना काम कर चुके हैं। अब रामू में काम करने का उत्साह नहीं दिख रहा है। तुम झूठे, कृतघ्न और दुष्ट हो। जैसा आप चाहते थे, राम ने आपके भाई वली को मार डाला और आपको राज्य और आपकी पत्नी दे दी। क्या आपको भी वादे के अनुसार सीता को खोजने में राम की मदद करनी होगी? लेकिन क्या आपके लिए यह सही है कि आप अपनी प्रतिज्ञा का पालन किए बिना ऐसी महिलाओं के साथ आनंद लें? तुम नहीं जानते कि राम कौन है। वह आपसे दोस्ती नहीं करेगा। वह आपके जैसे दुष्ट व्यक्ति को, झूठा, पापी और विकृत, किष्किंधा का राजा नहीं बनाएगा। सुग्रीवा! यदि आप राम को प्रतिदान नहीं देते हैं, तो आप वली से भी मिलेंगे। आप अभी भी राम के धनुष से निकले तीर की शक्ति को नहीं जानते हैं। यही कारण है कि आप राम को दिए गए शब्द को भूल रहे हैं। लक्ष्मण ने अपने शब्दों से सुग्रीव को चेतावनी दी।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1865 में। लक्ष्मण के शब्दों को सुनकर सुग्रीव का क्या रवैया था?

जे. सुग्रीव को लक्ष्मण की बातें सुनाई नहीं दीं।

1866 में। सुग्रीव की पत्नी तारा लक्ष्मण का क्या हुआ?

जे. "लक्ष्मण! सुग्रीव के बारे में इस तरह के शब्द आपके मुंह से नहीं आने चाहिए। सुग्रीव चालबाज नहीं है, न झूठा है, न दूर रहने वाला है, न ऋषि है। सुग्रीव राम की कृपा को कभी नहीं भूले। यह राम की उदारता के कारण था कि सुग्रीव आज मुझे इतना बड़ा राज्य, धन और भाग्य प्राप्त करने में सक्षम थे। लंबे समय तक सुख से दूर रहने के कारण सुग्रीव आज का समय भूल गए। क्या मेरे पति इसके बारे में भूल गए? विश्वामित्र भी उस समय को भूल गए जब उन्होंने वासना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। जहाँ भी सुग्रीव वर्तमान समय को भूल गए हैं, वही सुग्रीव राम की खातिर, यदि आवश्यक हुआ तो मुझे और मेरे राज्य को छोड़ देंगे। रावण युद्ध में मर जाता है। सुग्रीव कुछ ही समय में राम के साथ सीतम्मा की मुलाकात को रोहिणी की चंद्रमा के साथ मुलाकात के रूप में देखते हैं।

1867 में। लंका में कितने राक्षस हैं?

तारा ने कहा कि सैकड़ों करोड़ राक्षस हैं।

1868. तारा को लंका के मामलों के बारे में किसने बताया? जे. वली

1869 में। तारा ने लक्ष्मण से और क्या कहा?

हमें लंका के राक्षसों को मारने के लिए कुछ करोड़ बंदरों की सेना की

भी आवश्यकता है। इसलिए सुग्रीव ने वानर सेना के लिए बात की। वे सब कल यहाँ होने वाले हैं। सुग्रीव का विचार शांतिपूर्वक राम से मिलने का था। यही कारण है कि वह आपसे कभी नहीं मिला। कृपया क्रोध न करें। अगर आप कहते हैं कि आप हर बार एक तीर दागेंगे, तो यहां मौजूद सभी महिलाएं भगवान राम के तीर के नीचे गिरने की घटना को याद करते हुए डर जाती हैं। ऐसा मत करो, अपने गुस्से को छोड़ दो। "

1870. में। सुग्रीव ने लक्ष्मण से बात करने की कोशिश कब की?

जे. लक्ष्मण ने उस तारे के शब्दों को स्वीकार किया जिसने स्थिति को बहुत संवेदनशील, सही और तर्कसंगत रूप से समझाया। सुग्रीव, जो आश्वस्त था कि लक्ष्मण शांत हो गए हैं, ने अपने डर को छोड़ते हुए लक्ष्मण से बात करने की कोशिश की।

1871. में। उन्होंने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. लक्ष्मण! मैंने अपने परिवार और अपनी पत्नी को खो दिया। राम के आशीर्वाद से मैंने उन्हें फिर से प्राप्त किया। बस अपनी नज़र से, एक तीर का उपयोग करके, राम लंका को गोली मार सकते हैं, मैं ऐसे राम की कितनी मदद करना चाहता हूं। लक्ष्मण सत्य है कि मैं 'क्या यह मेरा राम है' से प्रेम करके या यह विश्वास करके कि 'मैंने वानर सेना को एक संदेश भेजा है' समय को भूल गया हूं। दुनिया में ऐसा कोई नहीं है जो गलती न करे, इसलिए मुझे माफ कर दें। "उन्होंने कहा।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1872 में। लक्ष्मण ने सुग्रीव के शब्दों को सुनकर क्या कहा?

"आप हमारे भाई हैं। आपके जैसे किसी की छाया में रहने वाले राम का काम पूरा होगा। मेरे भाई राम में गलती की स्थिति में हाथ जोड़कर क्षमा माँगने की धार्मिक बुद्धि है, भले ही अपार शक्ति हो, और आपके पास ज्ञान हो। अपने दोस्त को सांत्वना दें जो उस गुफा वाले पहाड़ में पीड़ित है। अगर मैं कुछ भी ऐसा बोलूं जो आपको हमारे बड़े भाई के दर्द के कारण गुस्से में नहीं कहना चाहिए, सुग्रीव! मुझे माफ कर दीजिए। "उन्होंने कहा।

लक्ष्मण के शब्दों के बाद सुग्रीव ने हनुमान से क्या कहा?

एक संदेश भेजें कि कैलासगिरी, हिमालय, विंध्यगिरी, अंजनगिरी, पश्चिमी घाट और अन्य अज्ञात पहाड़ों, जंगलों और गुफाओं से बंदरों और भालू के सभी समूह किष्किंधा में इकट्ठा हों। इस धरती पर कहीं से बंदरों को यहाँ आने के लिए कहें। जंगली जानवरों से, और सोने के जानवरों से, और हज़ार हाथियों से, और दस हाथियों से, और पानी पर चलने वालों से, और पानी में रहने वालों से, और पहाड़ों पर रहने वालों से, और पेड़ों पर रहने वालों से बात करो। "उन्होंने कहा।

किष्किंधा में एक बैठक में भाग लेने के लिए

1874 में। सुग्रीव ने वानरों को कितने दिन दिए?

सुग्रीव ने आदेश दिया कि इसे केवल दस दिनों में पूरा कर लिया जाए।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1875 में। वनों ने सुग्रीव के आदेश का पालन कैसे किया?

सुग्रीव के आदेश के अनुसार, बंदर चारों दिशाओं में चले गए। समुद्र में, पहाड़ों में, पहाड़ी घाटियों में, जंगलों में और झीलों के किनारे रहने वाले बंदरों ने सुग्रीव को राम की खातिर किष्किंधा आने का आदेश दिया।

1876. पहाड़ों से कितने करोड़ बंदर आए हैं? तीन लाख थे।

1877 में कितने सोने के सिक्के बनाए गए थे? 10 करोड़ रु.

1878. कैलाश की चोटी से कितने करोड़ बंदर आए हैं? 1000करोड़ रु.

1879 में बर्फ़ीले पहाड़ से कितने बंदर निकले? 1000 करोड़ रु.

1880. जब वे बर्फ़ीले पहाड़ पर बंदरों को बुलाने गए तो उन्होंने क्या देखा? मैंने एक बड़ा पेड़ देखा।

1881.में। अतीत में उस स्थान पर किसके लिए यज्ञ किया जाता था?

जे. प्रभु के लिए बनाया गया।

1882. में। इस पेड़ में क्या खास है?

जे. उन पेड़ों के मीठे फल खाने से एक महीने तक भूख और प्यास नहीं रहेगी।

1883.में। वानर नायक फल एकत्र करके किसे उपहार के रूप में देते थे? जे. इसे उपहार के रूप में दिया गया था।

1884. में। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. 'अरे यार! हम राम के पास जा रहे हैं।

# Shrimad Ramayanm -



## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

राम हमारा इंतजार कर रहे हैं। "उन्होंने कहा।

1885 में। उन्होंने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! चलो चलते हैं।"

1886 में। सुग्रीव ने वानरों को क्या करने का आदेश दिया था?

जे. "अरे यार! मेरा पैलेट तुरंत यहाँ ले आओ। "उसने आज्ञा दी।

1887 में। सुग्रीव ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "जल्दी से बैठ जाओ। "उसने प्रार्थना की।

1888 में। सुग्रीव और लक्ष्मण राम के पास कैसे गए?

जे. सुग्रीव पालकी में लक्ष्मण के साथ उस पर चढ़ गए। बंदर सफेद थे। विंजा फूट-फूटकर रो पड़ी। वे तेज आवाजों के साथ चले गए।

1889.में। सुग्रीव राम के सामने कैसे खड़े हुए जब वे उनके पास आए?

जे. सुग्रीव लक्ष्मण के साथ पालकी पर उतरा। रामू उसके पास आया। वह उठ खड़ा हुआ और हाथ हिलाया। राजा के पीछे, उनके साथ आने वाले सभी लोग राम को नमन करते हुए खड़े हो गए।

1890. में। सुग्रीव ने राम को कैसे प्रणाम किया?

जे. सुग्रीव राम के पास गए और राम के चरणों को छूने के लिए उनका सिर झुकाया।

1891 में। भगवान राम ने क्या कहा?

जे. राम सुग्रीव को गले लगाते हैं।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



"क्या धर्म, अर्थ, काम के लिए समय को विभाजित करने में कोई समझदारी है? जो केवल वासना में रहता है वह उस व्यक्ति के समान है जो पेड़ की शाखा पर सोता है। हमारे समझौते के अनुसार, हमें सीता को खोजने के प्रयास शुरू करने होंगे। अपने मंत्रियों के साथ चर्चा करें और उचित निर्णय लें। "उन्होंने कहा।

**1892. में। राम ने क्या जवाब दिया?**

जे. "हे राम! आपने मुझे यह राज्य, यह पत्नी दी है, लेकिन मैं आभारी नहीं हूं। अगर मैं आपकी मदद का बदला नहीं लूंगा, तो मैं गद्दार बन जाऊंगा। शरद ऋतु आते ही आपने मेरे प्रयास शुरू कर दिए। वानर भल्लुका के कई सेनापति किष्किंधा पहुँच चुके हैं, और बाकी भी जल्द ही पहुँच जाएँगे। "उन्होंने कहा।

**1893.में। सुग्रीव ने वानरों की संख्या के बारे में क्या उल्लेख किया?**

जे. 'अरे बदमाशी! एक के बाद एक सौ, एक के बाद एक लाख, एक के बाद एक लाख और एक के बाद दस हजार आते हैं। इस तरह, प्रत्येक के साथ कई वानरथा, जैसे शंख, अर्बुद, मध्य, अन्तमा, समुद्र और पार्थ होते हैं। "उन्होंने समझाया।

**1894.में। सुग्रीव ने भगवान राम से वानर नायकों की शक्ति के बारे में क्या कहा?**

जे. राक्षस इंद्र के समान हैं। वे सभी पहाड़ की तरह मजबूत हैं। वे देवी सीता के बदले राक्षस राजा रावण, उसके रिश्तेदारों,

अमरनाथ अमर

दोस्तों और परिवार को युद्ध के मैदान में लाने में सक्षम थे। "उन्होंने कहा।

1895 में भगवान राम ने सुग्रीव के बारे में क्या सोचा था?

जब भगवान राम ने इन शब्दों को सुना, तो वे सुग्रीव के सीता की खोज करने के प्रयासों को देखकर प्रसन्न हुए ताकि वे उनकी आज्ञाओं का पालन कर सकें।

1896.में। सुग्रीव के शब्दों को सुनने के बाद भगवान राम ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, "लोगों के कल्याण के लिए सूरज उगता है। इंद्र वर्षा लाते हैं। साथ ही, आप जैसे लोग दोस्तों के कल्याण के लिए कुछ भी करेंगे । में तुम्हें अच्छी तरह जानता हूँ। यदि आप कुछ करते हैं, तो आप उसे पूरा कर लेंगे। यह आपका दोस्त है! मैं रावण पर हमला करूंगा और उसके सभी दुश्मनों को हरा दूंगा। "उन्होंने कहा।

1897 में। क्या हुआ जब भगवान राम बोल रहे थे?

जे. धरती के हिलने पर एक तेज आवाज सुनाई दी। यहां लाखों लोग आते हैं। अगर वानरसेन का नेता सामने चल रहा है तो वानर उसके पीछे चल रहे हैं। उनके आने से पूरी धरती दिखाई देने लगी।

1898 में। श्री राम के पास आने वाले वानर कैसे हैं?

जे. नदी और समुद्र के किनारे, पहाड़ों और वन क्षेत्रों में रहने वाले शक्तिशाली बंदर वहाँ पहुँच गए। वे बादलों की तरह हैं। उनमें से कुछ सूरज की तरह लाल, कुछ चंद्रमा की तरह सफेद और कुछ

अमर

कमल की तरह पीले थे। उनमें से अधिकांश श्वेत और पहाड़ी निवासी हैं

1899.में। उसके साथ कितने सैनिक थे?

जे. शताब्दी नामक एक राक्षस 10 हजार करोड़ बंदरों के साथ आया था।

1900.में। तारा के पिता सुशेना कितने सैनिकों के साथ आए थे?

जे. सुशेना असंख्य बंदरों के साथ आई थी।

1901 में। रूमा के पिता कितनी सेनाओं के साथ आए थे?

जे. हजारों की संख्या में लोग आए।

1902. में। हनुमान के पिता कौन हैं? जे. केसरी

1903 में। केसरी ने कितने सैनिक लाए?

जे. वह हजारों करोड़ की सेना के साथ आए थे।

1904 .में। पहाड़ों का स्वामी कौन है? जे. चुड़ैल।

1905 में। उसके पास कितने सैनिक थे?

जे. वह हजारों पहाड़ों के साथ आया था।

1906 .में। वह कितने सैनिक लाए?

जे. वह दो लाख डॉलर लेकर आया था।

1907. में। उसके पास कितने सैनिक थे?

जे. तीस लाख लोग।

1908 .में। वह कितने सैनिक लाए?

जे. वह एक करोड़ की सेना के साथ आया था।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



1909 में। वह कितने सैनिक लाए?
जे. वह पाँच करोड़ की सेना के साथ आया था।

1910. में। वह कितने सैनिक लाए?
जे. वह हजारों की सेना के साथ आया था।

1911 में। देवताओं के पुत्र कौन हैं? जे. यार, यार।

1912 में। वहाँ कितने सैनिक थे?
जे. वह हजारों की सेना के साथ आया था।

1913 में। वह कितने सैनिक लाए?
जे. हजारों की संख्या में सैनिक आए।

1914. में। राजा कौन है? जे. जाम्बवन

1915. में। सुग्रीव के करीबी सहयोगी जंबवन कितनी सेनाओं के साथ आए थे? जे. वह उनमें से दस के साथ आया था।

1916 में। उसके पास कितने सैनिक थे?
जे. वह सैकड़ों करोड़ रुपये लेकर आए थे।

1917 में। उसके पास कितने सैनिक थे?
जे. यह 10 करोड़ रुपये था।

1918 में। वहाँ कितने सैनिक थे?
जे. वह सौ बकरियाँ और सौ भेड़ें लेकर आया।

1919. में। वहाँ कितने सैनिक थे?
जे. पांच करोड़।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



1920 में। इंद्र कितनी सेनाओं के साथ आए थे?

जे. 11 करोड़ रु.

1921 में। वह कितने सैनिक लाए?

जे. वह सैकड़ों, हजारों और हजारों योद्धाओं के साथ आया था।

1922 में। वह कितने सैनिक लाए?

जे. वह दो मिलियन अनुयायियों के साथ आए थे।

1923 में। हनुमान कितनी सेनाओं के साथ आए थे?

जे. वह लाखों लोगों के साथ आए थे।

1924 में। वहाँ कितने सैनिक थे?

जे. 100 करोड़ एक हजार 100 लोगों की सेना के साथ आए।

1925. में। वह कितने सैनिक लाए?

जे. वह एक करोड़ बंदरों की सेना के साथ आया था।

1926. में। सुग्रीव ने बंदरों से क्या कहा?

जे. "हे नेताओं! आप सभी को अपनी सेनाओं के साथ इस पहाड़ पर एक सुविधाजनक स्थान पर छोड़ दें। तब भगवान राम को हमारी सेनाओं के बारे में पता चलेगा। "उन्होंने कहा।

1927 में। भगवान राम ने क्या कहा?

जे. "हे राम! करोड़ों वनरास, जो बहुत मजबूत हैं और जो किसी भी समय कहीं भी पहुंच सकते हैं, आ गए हैं। वे सभी राक्षसों, राक्षसों और राक्षसों से लड़ने में सक्षम हैं। ये बंदर भूमि, जल और आकाश

पर चलने में सक्षम हैं। और वे परेशान नहीं हैं। वह कई युद्धों में लड़े थे। अब वे आपके आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। क्योंकि तू मेरा वचन है, और आज से यह सारी बड़ी सेना तेरे वश में होगी। ध्यान से सोचें और तय करें कि आप क्या करना चाहते हैं। "राम सुग्रीव के शब्दों और मनुष्य से अभिभूत थे।

**1928. में भगवान राम ने सुग्रीव से क्या कहा था?**

जवाबः अरे यार! सबसे पहले हमें यह जानना होगा कि रावण कहाँ है। साथ ही, आपको यह भी पता लगाना होगा कि यह कैसा है। क्या वह जीवित है? या वह मर चुका है? अगर वह जीवित है, तो वह कहाँ है? रावण ने सीता को कहाँ छिपाया? हमें इन बातों का पता लगाना है, सीता के बारे में, रावण के निवास के बारे में, जिस स्थान पर सीता को रखा गया था, उसके बारे में जानने के बाद हम अगले कार्यक्रम के बारे में सोचेंगे। न तो लक्ष्मण को और न ही मुझे सीता की खोज का कोई अनुभव है। आपको इसका प्रबंधन करना होगा। केवल आपके पास प्रबंधन करने की क्षमता है। क्योंकि केवल आप ही जानते हैं कि वह कहाँ है। तो अपना आदेश फ़रिश्तों को दे दो। "उन्होंने कहा।

**1929. सुग्रीव ने पहली बार किसे बुलाया था?**

उसने विनीता को बुलाया।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1930 में। सुग्रीव ने श्रोता को किस दिशा में जाने का आदेश दिया?

जे. पूर्व की ओर

1931 में। सुग्रीव ने श्रोता को क्या आदेश दिया?

जवाबः अरे यार! पूर्व के सभी देशों को देखें। देवी सीता और रावण के निवास स्थान का पता लगाने के लिए आप सभी को पर्वत चोटियों, जंगलों और नदी के किनारों का अच्छी तरह से पता लगाना चाहिए। "उसने आज्ञा दी।

1932.पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ कौन सी हैं?

सुग्रीव ने उन्हें गंगा, सरयू, कौशिकी, यमुना, सरस्वती और सिंधु नदियों के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए कहा।

1933 में। सुग्रीव ने उन्हें पूर्व में किन स्थानों का पता लगाने के लिए कहा?

सुग्रीव ने वानरवीरों को आदेश दिया कि वे दशरथ की पुत्रवधू सीता की खोज ब्रह्ममल, वीदेह, मालव, काशी, कोसल, मगध, पुंड्रा, अंग देशों के गाँवों, कोशाकारों के नगरों, चांदी की खानों की भूमि आदि के बड़े गाँवों में करें।

1934 में। सुग्रीव ने किन अन्य स्थानों की खोज करने का आदेश दिया?

जे. समुद्र के ऊपर के पहाड़ों, उनके बीच के द्वीपों पर शहरों और मैंग्रोव की चोटी पर स्थित गाँव पर विचार करें।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

उनमें से कुछ के कान नहीं हैं, और उनमें से कुछ अपने चेहरे देखकर हैरान हैं। वे एक पैर के साथ भी बहुत तेजी से चलते हैं। उनमें से कुछ जंगली हैं जो लोगों को मारते हैं और खाते हैं। कुछ किरात द्वीपों पर रहते हैं और कच्ची मछली खाते हैं। कुछ लोगों को पानी से डर लगता है। वह उन सभी के घरों में गया और सीता से रावण का निवास स्थान खोजने को कहा।

1935. में। उन स्थानों से कुछ दूरी तय करने के बाद कौन सा द्वीप दिखाई देता है? जे. यवद्वीपम

1936 यवद्वीप किस लिए प्रसिद्ध है? यह रत्नों के लिए प्रसिद्ध है।

1937 में कितने महाद्वीप बने? यह सात खंडों से बना है।

1938 में द्वीप के चारों ओर क्या है? समुद्र और पहाड़।

1939. यवद्वीप को पार करने के बाद कौन से द्वीप आए?

A. सुवर्णा द्वीप और रूप्यका द्वीप

1940. में। सुवर्ण द्वीप और रूपक द्वीप किसके लिए प्रसिद्ध हैं?

ए. सोना और चांदी।

1941.में। यवद्वीप को पार करने के बाद कौन सा पर्वत दिखाई देता है?

जे. सिरमौर

1942 में। पहाड़ों में कौन रहता है?

जे. देवता और राक्षस आपस में जुड़े हुए हैं। इन द्वीपों के पहाड़ी किलों में जंगलों और झरनों के पास पूज्य देवी सीता की तलाश

अमर

करें। "सुग्रीव ने कहा।

1943. में। शिशिर पर्वत पार करने के बाद आना  नदी क्या है?

जे.  घटिया

1944. में। झील के पानी का रंग क्या है? जे.  यह लाल होता है।

1945.में। समुद्र के बाद समुद्र क्या है? जे.  बर्फ का सागर

1946 में। समुद्र में कौन रहता है? जे.  महान लोग हैं।

1947.में। हिंद महासागर के असुर अपनी भूख को कैसे संतुष्ट करते हैं

जे.  वे लगातार जीवित प्राणियों की छाया को समझते हैं और अपनी भूख को संतुष्ट करने के लिए उन्हें खा जाते हैं।

1948. में। असुरों को वहाँ रहने की अनुमति किसने दी?

जे.  भगवान ब्रह्मा

1949. में। जब आप समुद्र पार करते हैं तो आप कहाँ जाते हैं?

जे.  लोहितम मधुसमुद्र के तट तक पहुँचता है।

1950. में। लाल सागर में कौन से पेड़ हैं? जे.  पेड़ हैं।

1951. में। उस जगह का नाम क्या है जहाँ पेड़ उगते हैं?

जे.  इसे शाल्मली द्वीप कहा जाता है।

1952. में। शाल्मली द्वीप पर एक इमारत का मालिक कौन है?

जे.  कोई इमारत नहीं है।

1953 में। यह भवन किसने बनवाया था? जे.  विश्वकर्मा

# Shrimad Ramayanm -
## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



1954 में। गरुतमंत के निर्माण की तुलना किससे की जा सकती है?
जे. यह कैलाश पर्वत जितना ऊँचा है। यह विभिन्न रंगों से चमकता है।

1955 में। शाल्मली द्वीप की चोटियों पर रहने वाले राक्षस कौन हैं?
जे. बंदरों

1956 में। क्षेत्र में कौन है क्या आप इसे रोकने की कोशिश करते हैं?
जे. राक्षस उल्टा लटक रहे हैं। जब सूरज उगता है, वे नहीं करते हैं वे समुद्र में भागने की कोशिश कर रहे हैं।

1957. में। ये राक्षस किसके कारण समुद्र में गिरते हैं?
जे. जब वहाँ के ब्राह्मण शाम को मत्था टेकने के बाद अर्घ्य छोड़ते हैं, तो उन पानी की शक्ति से, सूर्य की शक्ति से, मांडेह नामक वे राक्षस समुद्र में गिर जाते हैं। फिर वे फिर से उठते हैं और पहाड़ पर उल्टा लटक जाते हैं।

1958.में। सलमाली द्वीप को पार करने के बाद कौन से समुद्र आते हैं?
जे. महासागर और समुद्र। सुग्रीव ने उन्हें इन क्षेत्रों में भी सीतमाता का पता लगाने का निर्देश दिया।

1959.में। समुद्र और समुद्र के बीच की दूरी क्या है? जे. गिरावट

1960. का दशक। माउंट चिरोडा को कैसे देखें?
जे. सफ़ेद बादलों से जगमगाते हुए।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -



## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1961 में। कसारोद पर्वत के बीच में कौन सा पर्वत स्थित है?
जे. ऋषभ

1962. में। पहाड़ का रंग क्या है? जे. यह सफेद रंग का होता है।

1963. में। आसपास के पहाड़ क्या हैं?
जे. पहाड़ के दोनों ओर कई पेड़ हैं। वे खिलते फूलों से सुगंधित होते हैं बारिश हो रही है।

1964.में। पहाड़ पर झील क्या है? जे. अच्छाई।

1965 में। सुदर्शन झील किसके लिए प्रसिद्ध है?
जे. झील सफेद प्रकाश के कमल के साथ चांदी की तरह चमकती है।

1966.में। समुद्र के बाद समुद्र क्या है?
जे. ताजे पानी का एक बड़ा समुद्र।

1967. में। किसकी महिमा इस सागर में प्रवेश कर गई है?
जे. औरवाद नामक महान व्यक्ति का क्रोध बदबाग्नी के रूप में पैदा होकर समुद्र में प्रवेश कर गया।

1968.में। समुद्र में प्रवेश करने वाले दूत का नाम क्या है?
जे. ऊँचा हाथ

1969.में। समुद्र पार करने के बाद कौन सी जगह है?
जे. मथुरा का समुद्र पार करते हुए 13 योजनों की दूरी पर एक स्वर्ण पर्वत दिखाई देता है।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



1970. का दशक। स्वर्ण पर्वत का नाम क्या है?

जे. आनुवंशिक

1971.में। पहाड़ पर कौन रहता है?

जे. नाग के आकार का अनंत नीले वस्त्र पहने बैठा है, और वह आदिशेष है। सुग्रीव ने कहा कि आप आदिशेष को देख सकते हैं।

1972. में। इस क्षेत्र की विशेषता क्या है?

जे. आदिशेष के बगल में ताड़ के पेड़ के आकार का झंडा है। इसके बगल में एक चबूतरा है, यह चबूतरा पूर्व दिशा में देवताओं द्वारा बनाया गया था।

1973.में। चढ़ाई के लिए अगला पहाड़ कौन सा है?

जे. स्वर्ण पर्वत उदयाद्री दिखाई देता है।

1974 में। पर्वत श्रृंखला कितनी दूर तक फैली हुई है?

जे. यह 100 गज तक फैली हुई है और आकाश को छूती है।

1975. में। उदयाद्री पर्वत के लिए सबसे अच्छी जगह कौन सी है?

जे. उदयगिरि

1976 में। जंगल में किस तरह के पेड़-पौधे हैं?

जे. यहाँ कई पेड़, झाड़ियाँ, बेलें और बेलें हैं।

1977. में। उदयगिरि पर्वत पर स्वर्ण शिखर कौन सा है?

जे. सौमानसम नामक एक मजबूत स्वर्ण चोटी है।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1978 में। सुमन्सा चोटी कितनी दूर तक फैली हुई है?

जे. एक योजना के लिए विस्तारित। यह दस योजना के पैमाने पर है।

1979.में। पहाड़ की विशिष्टता क्या है?

जे. वामनावतार के समय भगवान विष्णु ने एक पैर सौमन पर्वत पर और दूसरा पैर मेरु पर्वत पर रखा था। इसी तरह, भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी के द्वार की स्थापना की। यहीँ से सूर्य की पहली किरणें शुरू होती हैं।

1980. में। सौमांसा पर्वत पर कौन रहता है?

जे. वैखान और वलखिल्य महर्षि महान तपस्या करते हैं और सूर्य की चमक के साथ चमकते हैं।

1981 में। उदयाद्री के सामने कौन सा द्वीप है?

जे. सुदर्शन द्वीप

नोटः-यदि आप उदयगिरी से आगे जाते हैं, तो कट अंधेरा होता है। यहाँ एक इंच भी छोड़े बिना सितम्मा का निशान खोजें। सुग्रीव ने वानरों को पर्वत शिखरों, गुफाओं और जंगलों में सीता और रावण का निवास खोजने का निर्देश दिया।

1982. में। सुग्रीव ने सीतम्मा को खोजने के लिए वानरों को कितना समय दिया?

जे. "हमें उदय पर्वत तक जाना है, सीथम्मा को ढूंढना है और एक महीने के भीतर वापस आना है। "उसने आज्ञा दी।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

1983. में। यदि आप समय सीमा से पहले नहीं लौटते हैं तो क्या होगा?

जे. "अगर वह एक महीने के भीतर वापस नहीं आता है, तो उसे मौत की सजा सुनाई जाएगी। इसलिए उन बंदरों के लिए तैयार रहें जो पूर्व की ओर जाते हैं।

1984. सुग्रीव ने सीता की खोज में किसे दक्षिण भेजा था?

ए. नीलू, हनुमान, जंबवन, सुहोता, शरारी, शारगुल्म, गाजू, गवक्ष, गवयू, मिंडू, द्विवेदी, गंधमदन, उल्कामुख, अनंग, हुतासर आदि। "सुग्रीव ने कहा।

नोटः सुग्रीव ने उन्हें दक्षिण के स्थानों के बारे में बताया।

1985 में उन्होंने दक्षिण में किस स्थान से सीता की खोज शुरू की थी?

ए. विंध्य पर्वत

1986 में। विंध्य पर्वत में कितनी चोटियाँ हैं?

यहाँ लगभग एक हजार चोटियाँ हैं।

1987. विंध्य के बाद किन नदियों की खोज की जानी चाहिए?

गोदावरी, महानदी, वर्धन और कृष्णवेणी।

1988. में। कौन सी नदी सबसे बड़े सांपों का घर है?

ए. द ग्रेट

1989 नदियों के बाद किन देशों की खोज की जानी चाहिए?

क्षेत्र देश, उत्कल देश, दसरना शहर, अब्रवंती और अवंती शहरों को खोजें। विदर्भ, रिश्ता, माही, कलिंग, कौशिका, आंध्र, अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



1992. पुंड्रा, चोल, पांड्य, केरल आदि सभी राज्यों में खोजें। "सुग्रीव ने कहा।

1993. सुग्रीव ने किस पहाड़ को खोजने का आदेश दिया?

ए. मलय पर्वत

1991 में। मलय पहाड़ों में कौन से पेड़ सबसे अधिक पाए जाते हैं?

ए. बहुत सारे पेड़ हैं।

1992. मलाया पर्वत पर रहने वाले ऋषि कौन हैं?

ए. अगस्त्य महामुनी

1993.में। सुग्रीव ने वानरों का क्या उल्लेख किया?

उन्होंने अगस्त्य का दौरा किया, उन्हें प्रसन्न किया और उन्हें अपनी आज्ञा के साथ आगे बढ़ने का निर्देश दिया।

1994. मलाया के पहाड़ को पार करने के बाद कौन सी नदी?

सी. कावेरी नदी

1995. में। किस नदी में सबसे अधिक मगरमच्छ हैं?

सी. तामरापर्णी नदी

1996. तामरापर्णी नदी पार करने के बाद कौन सा शहर?

पांड्यों का शहर। शहर को पार करने के बाद आप समुद्र तट पर पहुंचेंगे। सुग्रीव ने उन्हें आसपास के क्षेत्रों में सीथम्मा की खोज करने का आदेश दिया।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

2006. पुष्पिता पर्वत से चौदह योजना की दूरी पार करने के बाद कौन सा स्थान आता है?

जे. सूरज चमक सकता है। वहाँ तक पहुँचने का रास्ता सबसे कठिन है।

2007. में। सूरज उगने के बाद पहाड़ क्या होता है?

जे. चिकित्सा का पहाड़। धूप और बिजली के पहाड़ों पर पेड़ों के फल खाने में बहुत अच्छे होते हैं। "सुग्रीव ने कहा।

2008.में। पहाड़ के बाद पहाड़ क्या है? जे. कंजारम

2009 में। कुंजारा पहाड़ी पर स्थित इमारत का मालिक कौन है?

जे. अगस्त्य

2010. यह भवन किसने बनवाया था? जे. विश्वकर्मा

2011 में। इस भवन की ऊँचाई कितनी है?

जे. यह इमारत दस योजना ऊँची है और एक योजना तक फैली हुई है।

2012. में। कुंजारा पर्वत पार करने के बाद कौन सा स्थान है?

जे. भोगवती पुरम/शहर

2013 में। भोगवती पुरम क्या है?

जे. सांपों का घर इसमें जहरीले सांप होते हैं।

2014 में। राजा कौन है? जे. वासुकी

2015. निवास स्थान क्या है? जे. भोगवती पुरम

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

2016. भोगवती पुरम को पार करने के बाद कौन सा पर्वत आता है?

जे. बैल के आकार का पहाड़।

2017. में। पहाड़ पर कौन से पेड़ हैं? जे. झाड़ियाँ।

2018. में। पेड़ों की रक्षा कौन कर रहा है?

जे. रोहित गंधर्व हैं।

2019.की बात है. वृषभ पर्वत चंदन उत्पादन का स्थान है?

जे. चंदन की लकड़ी तीन प्रकार की होती है-गोशिरशकम, पद्मकम और हरिश्यम। इनके अलावा अग्नि थुलम नामक एक सैंडल भी है, लेकिन गलती से भी उस सैंडल को न छुएं। सुग्रीव ने बंदरों को निर्देश दिया।

2020. वृषभ पर्वत पर रहने वाले गंधर्व कौन हैं?

जे. पाँच गंधर्व राजा शैलुष, ग्रामणी, शकुड, शकुड और बब्रु हैं।

2021.तक. वृषभ पर्वत को पार करने के बाद क्या देखा जा सकता है?

जे. वृषभगिरी पर्वत को पार करने के बाद भूमि की सीमा दिखाई देती है। ऐसे लोग हैं जो स्वर्ग जाते हैं।

2022. तक। सीमा पार करने के बाद आप क्या देखते हैं?

जे. पितृभूमि

2023 तक। पितृभूमि के बाद क्या स्थान है?

जे. "यदि कोई पितृ लोक को पार करता है, तो यमधर्म का राज्य होगा, जहाँ पापी होंगे। और आप इससे आगे नहीं बढ़ सकते।

अमर

दक्षिण की ओर जाएँ और उसे खोजें। "सुग्रीव ने कहा।

**2024.के लिए सुग्रीव की भविष्यवाणी क्या है?**

ए. अब तक उल्लिखित सभी स्थानों को अच्छी तरह से खोजने के बाद, यदि आपको कोई अन्य अन्वेषण योग्य स्थान मिलता है, तो आइए और सीता माता का निशान खोजें। "उन्होंने सुझाव दिया।

**2025. सुग्रीव ने पश्चिम में किसे भेजा?**

उन्होंने तारा के पिता सुशेना को भेजा।

**2026 . सुग्रीव ने में सुशेनु से क्या कहा था?**

"मारीची महर्षि के पुत्र अर्चिस्माना, अर्चिरामल्य आदि को अपने साथ ले जाएँ और पश्चिम की ओर जाएँ। "उन्होंने कहा।

**2027.तक। सुग्रीव ने पश्चिम में किन स्थानों पर खोज की?**

आप सौराष्ट्र, बहलिका, चंद्र, चित्र, कुरु, पांचाल, कोसल, अंग, मगध, अवंती, गांधार, कम्भोज आदि जैसे राज्यों, कस्बों और गाँवों की खोज करते हैं। इसके अलावा मुराचीपुरम और जटापुरम पाए गए हैं, उनकी भी खोज करें।

**2028. सिंधु नदी के समुद्र से मिलने के स्थान पर कौन सा पर्वत स्थित है?** जे. हेमागिरी

**2029. हेमागिरी पर्वत की कितनी चोटियाँ हैं?**

यह सैकड़ों पहाड़ियों और बड़े पेड़ों से घिरा हुआ है।

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



**2033. पहाड़ की चोटी पर रहने वाले पक्षियों में क्या खास है?**

ए. उस पहाड़ पर शेर जैसे जंगली पक्षी हैं। वे समुद्र में मछली और मछली पकड़ते हैं।

**2034. वहाँ समुद्र के बीच में स्थित पहाड़ का नाम क्या है?**

ए. परियात्रा

**2032.दुनिया का सबसे ऊँचा पर्वत कौन सा है?**

ए. स्वर्ण शिखर

**2033. स्वर्ण शिखर में कितनी योजनाएँ होती हैं?**

ए. सैकड़ों योजनाएं। आम लोगों के लिए इसे देखना मुश्किल है।

**2034. पहाड़ परियात्रा पर कौन रहता है?**

चौबीस करोड़ लोग गंधर्वों में रहते हैं।

**2035. तक। गंधर्वों के बारे में सुग्रीव का वानरों को क्या निर्देश था?**

A. गंधर्व विभिन्न स्थानों से वहां आते हैं। चाहे आप कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों, उनके पास न जाएं। वहाँ के फल मत खाओ। वे उनकी रक्षा कर रहे हैं। आप उस क्षेत्र में भी सीतमाता की तलाश करते हैं। जो बंदरों की तरह व्यवहार करते हैं, उन्हें गंधर्वों का कोई डर नहीं होता। उन्होंने सुझाव दिया।

**2036.कौन सा पर्वत समुद्र में परियात्रा पर्वत के पास स्थित है?**

जे. वज्रगिरी

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

2039. वज्रगिरी पर्वत कितने योजनों में फैला हुआ है?

ए. सौ परियोजनाएं

2038.वज्रगिरी पर्वत का निकटतम पर्वत कौन सा है?

ए. सम्राट

2039 समुद्र का कितना हिस्सा माउंट चक्रवर्ती से ढका हुआ है?

ए. चौथा।

2040. में क्या खास है?

ए. चक्रवर्ती पर्वत पर एक हजार धार वाला पहिया है।

2041. बांध किसने बनाया? जे. विश्वकर्मा

2042. चक्रवंथ पर्वत पर रहने वाले राक्षस कौन हैं?

जे. पंचजन, हयग्रीव

2043. राक्षसों को किसने मारा? जे. श्री विष्णु

2044 तक। भगवान विष्णु ने इन राक्षसों से क्या लिया?

जे. चक्र राक्षस हयग्रीव को मारकर लिया गया था, जो किसी को भी इसे लेने की अनुमति नहीं दे रहा था, और पंचजन नामक एक और राक्षस को मारकर शंख लिया गया था।

2045.तक। कौन सा पर्वत चक्रवर्ती पर्वत से 60 योजन दूर है?

जे. वराहगिरी नामक एक पर्वत है। यह सोने से जड़ा हुआ है।

2046. वराहगिरी पहाड़ पर कौन सा शहर स्थित है?

जे. प्रागज्योतिषपुरम एक छोटा सा शहर है।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

2047.तक। प्रागज्योतिषपुर का शासक कौन है? जे. शरारती

2048 तक। वराहगिरी को पार करने के बाद कौन सा पर्वत आता है?

जे. सभी काले पहाड़। हाथी, बाघ, तेंदुए और जंगली सूअर पहाड़ों पर घूमते हैं।

2049 तक। अगला सबसे ऊँचा पर्वत कौन सा है? जे. बादल।

2050 तक। पहाड़ में क्या खास है?

जे. इसी पहाड़ पर इंद्र ने राक्षस पकासन को मार डाला और देवताओं द्वारा उसका अभिषेक किया गया।

2051. बादलों वाले पहाड़ को पार करने के बाद कौन से पहाड़ देखे जा सकते हैं?

जे. यहाँ 60,000 स्वर्ण पर्वत हैं।

2052. पहाड़ों के बीच में कौन सा पहाड़ है? जे. मेरुगिरी

2053 तक। पहाड़ को सूर्य का क्या उपहार है?

जे. "हे पहाड़ों के राजा, जो कोई भी तेरी शरण लेता है, वह मेरे अनुग्रह के प्रभाव में दिन-रात सोने की रोशनी से चमकता रहेगा। ऊपर की कोई भी चीज सोने की तरह चमकती है। "उन्होंने कहा। सुग्रीव ने कहा, "उन पहाड़ी इलाकों में सीतमाता का निशान खोजें।"

2054. मेरु पर्वत से कौन सा पर्वत दस हजार योजना दूर है?

जे. माउंट अष्टमाया

# Shrimad Ramayanm -
## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर



2055. मेरु पर्वत से अस्तमाया पर्वत तक जाने में सूर्य भगवान को कितना समय लगता है?

जे. सूर्य भगवान आधा मुहूर्त में दस हजार योजनाओं की दूरी पार करते हैं।

2056. पचिमाद्री की चोटी पर स्थित इमारत में कौन रहता था?

जे. विश्वकर्मा द्वारा बनाई गई इमारत में वरुण एक पाशा पकड़े रहता है। मेरु पर्वत, अस्ताद्री (अस्तमाया पर्वत)

2057. पहाड़ के बीच में कौन सा पेड़ है?

जे. दस सिर वाला एक बड़ा ताड़ का पेड़ सोने की रोशनी से चमकता है। उन्होंने उन्हें देवी सीता और रावण के निवास के लिए झीलों, दरगाहों और नदी के किनारों की खोज करने का आदेश दिया।

2058. महर्षि कौन हैं जो अस्तमाया पर्वत से आगे बढ़ते हुए दिखाई देते हैं?

जे. महर्षि महर्षि

2059. महर्षि मेरुसावर्णी के समान कौन है?

जे. वे भगवान ब्रह्मा के समान हैं। आप उसका अभिवादन करते हैं और उससे पूछते हैं कि वह कहाँ है।

2060.तक। सुग्रीव ने वानरों को क्या सुझाव दिया?

जे. "जैसा कि मैंने आपको बताया था, आप अस्ताद्री पहाड़ तक सितम्मा की खोज करते हैं। वहां से आगे बढ़ना मुश्किल है।

अमरनाथ अमर

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

तो आप सभी वहाँ जाएँ। आप सभी का नेतृत्व हमारे ससुर सुशेना कर रहे हैं। उसकी बात सुनें और सीतम्मा का निशान ढूंढें। अगर आप उन्हें ढूंढ सकते हैं, तो आप मेरी बहुत मदद करेंगे। मैं तुम्हें एक महीने का समय दूंगा। यदि वे समय सीमा तक नहीं लौटते हैं, तो उन्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी। "सुग्रीव ने कहा।

2061. सुग्रीव को उत्तर की ओर किसने भेजा?

जे. उन्होंने एक दूत भेजा।

2062 तक। सुग्रीव ने वानरों से क्या कहा?

जे. "अरे यार! भगवान राम ने मेरी बहुत मदद की है। अगर हम सीता की खोज करते हैं और उन तक पहुँचते हैं, तो हमें भी राम द्वारा भुगतान किया जाएगा। राम के मिशन को पूरा करने में भी हमारा जन्म सफल होता है। "उन्होंने कहा।

2063. उन्होंने सुग्रीव से क्या कहा?

जे. "शाब्बास! आप दस लाख बंदरों के साथ उत्तर की ओर जाते हैं। आप म्लेच्छ, पुलिंडा, सुरसेन, प्रस्तल, भरत, कुरु, मद्रक, कम्बोज, यवन, शक, कौरव आदि में खोज करते हैं। "उन्होंने कहा।

2064 तक। देवताओं का स्थान क्या है? जे. सोमा क्षेत्र

2065. सोमश्रम क्षेत्र को पार करने के बाद कौन सा पर्वत आता है?

जे. पहाड़ी समय

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

2066 तक। इसके बाद क्या आता है?जे. हेमगरभा पर्वत

2067. इसके बाद क्या आता है? जे. यह एक बड़ा पहाड़ है।

2068. तक। सुदर्शन पर्वत को पार करने के बाद कौन सा स्थान है?

जे. देवासखा पर्वत

2069. पहाड़ों में रहने वाले जानवर कौन से हैं?

जे. पक्षियों को। यह पहाड़ विभिन्न प्रकार के पक्षियों से भरा हुआ है। यही बात अच्छे पेड़ों के लिए भी लागू होती है।

2070. तक। देवासखा पर्वत कैसा दिखता है?

जे. इस पर्वत को पार करने के बाद 100 योजनाओं का एक शून्य दिखाई देता है। वहाँ कोई पहाड़ या नदी नहीं होगी, इसलिए वहाँ कोई नहीं रहेगा।

2071. रिक्त स्थान को पार करने के बाद क्या दिखाई देता है?

जे. कैलाश पर्वत

2072. कैलाश पर्वत पर किसकी इमारत है? जे. कायर।

2073. यह भवन किसने बनवाया था? जे. विश्वकर्मा

2074. इमारत में झील क्या है? जे. पद्मा झील

2075.तक। झील पार करने के बाद कौन सी जगह है?

जे. क्रोंचा पर्वत। इसमें एक गुफा है जो एक गड्ढे की तरह दिखती है। ऐसा माना जाता है कि यह गुफा इसलिए है क्योंकि कुमारस्वामी ने शक्ति नामक अपने हथियार का इस्तेमाल किया था। अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

2076. सुग्रीव ने क्रौंचा पर्वत को खोजने के बाद कहाँ खोजने का आदेश दिया?

जे. उन्होंने पक्षियों के निवास स्थान मानसपर्वत में वृक्ष की चमक भी मांगी, जिसे वृक्षिका कहा जाता है। इस पहाड़ पर कोई देवता या मनुष्य नहीं हैं।

2077. क्रोंचा पर्वत के बाद दूसरा सबसे ऊँचा पर्वत कौन सा है?

जे. मैनाक पर्वत

2078. पहाड़ों में कौन रहता है?

जे. एक आदमी घर बना रहा था। महिलाएँ अभी भी वहाँ रहती हैं।

2079. मैनाक पर्वत के बाद कौन सा स्थान आता है?

जे. यह किसी पवित्र मंदिर की तरह दिखता है। वहाँ, अनुवर आश्रम में सिद्धियाँ, वैखानें और वल्लखिली दिखाई देती हैं। सुग्रीव ने आप सभी को उनके सामने झुकने और सीता की खोज में उनकी मदद मांगने का आदेश दिया।

2080. तक। मठ में झील क्या है?जे. रवैया

2081. झील में पानी का स्तर क्या है?

जे. झील का पानी सोने से भरा हुआ है। सूर्य-चूमे हंस झील में घूमते हैं

2082. कुबेर का नाम क्या है? जे. संप्रभु

2083. वैखानस झील के बाद आने वाले स्थान की क्या विशेषता है?

जे. वैखानस झील को पार करने के बाद सूर्य, चंद्रमा और तारों का

दर्शन नहीं होता है। कोई बादल नहीं हैं, कोई गरज नहीं है, कोई बिजली नहीं है। आसमान खाली है। हालाँकि, देवताओं जैसे तपस्वी उस स्थान पर विश्राम करते हैं।

2084. इसके बाद क्या होता है? जे. शैलोधाम नामक एक नदी है।

2085. नदी के तट पर क्या है?

जे. वहाँ 'भूत' हैं। छेद एक पुल की तरह दिखते हैं।

2086. तटीय क्षेत्र क्या हैं? जे. उत्तरी भूमि हैं। वे पवित्र स्थान हैं।

2087. गाँव के बाद कौन सा क्षेत्र है? जे. नमकीन समुद्र

2088. समुद्र के बीच में कौन सा पहाड़ है? जे. सोमगिरी

2089. सोमगिरी पर्वत की विशेषता क्या है?

जे. सोमगिरी पर्वत सुनहरा है। इंद्र की दुनिया में और ब्रह्मा की दुनिया में, देवता आकाश में खड़े पर्वत की सुंदर चोटियों को देखते हैं।

2090. तक। रात में सूरज न होने पर भी सोमगिरी पर्वत की रोशनी बनी रहती है।

2091. सोमगिरी पर्वत पर कौन रहता है?

जे. ब्रह्मा निर्माता हैं, विष्णु संरक्षक हैं, और शिव संरक्षक हैं।

2092. वानरों को सुग्रीव का क्या निर्देश था?

जे. उत्तरी कुरुभूमि को सोमगिरी पर्वत से आगे नहीं जाना चाहिए। शक्तिशाली राक्षस भी इस पर काबू नहीं पा सकेंगे। देवताओं के लिए भी सोमगिरी पर्वत में प्रवेश करना असंभव है।

इसलिए उन्होंने उन्हें वापस जाने और सीतमाता को खोजने का सुझाव दिया।

2093. सुग्रीव ने सोचा कि श्री रामचंद्र के मिशन को पूरा करने में कौन सक्षम है?

जे. सुग्रीव ने सोचा कि हनुमान को सीता को खोजने का कार्य पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।

2094. सुग्रीव ने मारुति से क्या कहा?

जे. 'हनी! इस पृथ्वी पर ऐसा कोई प्राणी नहीं है जिसके पास आपकी शक्ति, या आपकी महिमा, या आपकी गति, या आपकी समझ हो। आपके पास चलने-फिरने की ऐसी शक्ति है जो आपके पिता वायु देव के पास थी। इसलिए मैं आपसे उम्मीद करता हूं कि आपको किसी तरह सीतम्मा का निशान मिल जाए।

2095 तक। सुग्रीव के शब्दों को सुनने के बाद भगवान राम को क्या एहसास हुआ?

सुग्रीव के शब्दों के अनुसार, भगवान राम ने महसूस किया कि सीता को खोजने की जिम्मेदारी हनुमान पर है।

2096. भगवान राम भगवान हनुमान के बारे में क्या सोचते थे?

सुग्रीव का दृढ़ विश्वास था कि हनुमान को सीता को खोजने का कार्य पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। हनुमान को भी पूरा विश्वास था कि वह इस कार्य को पूरा करने में सक्षम होंगे।

सुग्रीव हनुमान की क्षमता से अवगत थे क्योंकि उन्होंने अब तक जो किया था। इसलिए राजा ने उसे यह काम सौंपा। उनका काम सफल रहा है। "उसने सोचा।

2097.भगवान राम ने भगवान हनुमान को देवी सीता को संकेत के रूप में दिखाने के लिए कौन सी वस्तु दी थी?

भगवान राम ने एक अंगूठी निकाली जिस पर उनका नाम उत्कीर्ण था और उसे भगवान हनुमान को दिया।

2098. भगवान राम ने हनुमान जी से क्या कहा?

जवाबः नहीं! जब आप सीता के निवास पर जाते हैं, तो आपको बंदर के रूप में एक राक्षस के रूप में देखा जाता है। यही कारण है कि मैं आपको यह अंगूठी दे रहा हूं, और यदि आप इसे सीता को दिखाते हैं, तो वह आश्वस्त हो जाएगी।

2099 तक। भगवान राम हनुमान से क्या चाहते थे?

जे. 'अरे यार! आप बहुत शक्तिशाली और शक्तिशाली हैं। मैंने आपकी शक्ति का उपयोग किया है। अपनी अद्भुत शक्ति दिखाएँ और देवी सीता के कल्याण को जानें। "वह यही चाहता था।

(आयत 44)

2100। सुग्रीव ने वानरों को क्या करने का आदेश दिया था?

जे. "उन सभी स्थानों को खोजें जिनका मैंने उल्लेख किया है ताकि श्री राम का मिशन सफल हो सके। "उसने आज्ञा दी।

# Shrimad Ramayanm -

## किष्किंधा कांडः - प्रश्न और उत्तर

# "जय श्री राम"।

Sri. Chinna.c. Amaranath
Punganur(Pulinadu),Chittoor-517247
Andhra pradesh
South India
Mobile:- 9596483440
Email:-
BHAGAVATHAMAR@GMAIL.COM

**WWW.SANATANADHARM.COM**

अमरनाथ अमर

# Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांड - प्रश्न और उत्तर

Shrimad Ramayanm - किष्किंधा कांड - प्रश्न और उत्तर

Ramayanam

अमरनाथ अमर